

जबलपुर

सोमवार 1 जून 2026

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष -1

वर्ष : 21, अंक : 32

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 40
न्यून. 28

haribhoomi.com

आज से प्री-मानसून का काउंट डाउन शुरू

अनेक जिलों में भी मंगलवार तक होगी बारिश, आज तेज हवाएं

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

रविवार को प्रदेशभर में मौसम बदला रहा। सोमवार से मानसून का काउंट डाउन शुरू हो रहा है। इससे पहले ही प्रदेश में आंधी-बारिश और ओले से भीषण गर्मी से राहत शुरू हो गई है। प्रदेश में रविवार को औसत पारा 40 डिग्री के नीचे पहुंच गया है, जिसमें अभी और गिरावट होगी। शनिवार से रविवार के बीच भोपाल सहित दो दर्जन से अधिक जिलों में बारिश और आंधी का दौर रहा। दोपहर में रीवा में बारिश से मंडी में रखा अनाज भीग गया। मैहर में मां शारदा माता मंदिर का रोप-वे बंद किया गया। शाम को छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, अनुपपुर, जबलपुर, सतना, रीवा, मैहर, शहडोल, सीधो, सिंगरौली में के साथ ही कटनी, उमरिया, सागर, दमोह, बैतुल, धार, इंदौर, भिंड, दतिया में आंधी के साथ तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



आरसीबी लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन

विराट का विनिंग छक्का, गुजरात टाइटंस ने घुटने टेके

विराट कोहली की धमाकेदार फिफ्टी के दम पर आरसीबी ने लगातार दूसरे सीजन का खिताब अपने नाम किया। अहमदाबाद। आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने जीत लिया है। उसने गुजरात टाइटंस को बुरी तरह से हराते हुए लगातार दूसरे सीजन यह खिताब अपने नाम किया। शुभमन गिल की टीम इतनी आसानी से घुटने टेक देगी किसी को शायद ही भरोसा हो रहा होगा। 90,014 फैस से भरे स्टेडियम में आरसीबी के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन ने मैच को एकतरफा कर दिया। आरसीबी ने विराट कोहली की धांसू हाफ सेंचुरी के दम पर आसानी से 5 विकेट से मैच और ट्रॉफी जीत लिया। जिस टूर्नामेंट 250 रन भी सुरक्षित नहीं माना जा रहा था उसके खिताबी मुकाबले में 156 रनों का लक्ष्य कहाँ से टिकता। आरसीबी के धाकड़ बल्लेबाज और क्रिकेट किंग विराट कोहली ने अपनी रन चेज वाली भूमिका को गजब अंदाज में अंजाम दिया। उन्होंने वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर शुरुआती 4 ओवरों में आरसीबी की झोली में डाल दिया। विराट ने 42 गेंदों में 9 चौके और 3 छक्के के दम पर नाबाद 75 रन की पारी खेली, जबकि विनिंग छक्का भी जड़ा।

आरसीबी की पारी का हाईलाइट्स: विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर ने दी आरसीबी को गजब शुरुआत दी। इससे पहले 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने गजब शुरुआत की। मोहम्मद सिराज के पहले ओवर में सिर्फ 5 रन बने, जबकि अगले ही ओवर में वेंकटेश अय्यर ने 3 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए कागिसो रबाडा को 18 रन कूट डाले। इसके बाद चौथे ओवर में उन्हें विराट कोहली ने 3 चौके और एक छक्का लगाते हुए 19 रन ठोके। इसके साथ ही टीम की हाफ सेंचुरी पूरी हो गई। हालांकि, अगले ही ओवर में आक्रामक दिख रहे वेंकटेश अय्यर मोहम्मद सिराज की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के ठोकते हुए 32 रन बनाए। इसके बाद कागिसो रबाडा ने देवदत्त पडिकल को 1 रन के स्कोर पर आउट करते हुए पर्पल कैप पर कब्जा किया, जबकि भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया। टीम शतक की ओर तेजी से बढ़ रही थी कि राशिद खान ने कप्तान रजत पाटीदार को 15 रनों के निजी स्कोर पर आउट करते हुए बड़ा झटका दिया, लेकिन आरसीबी को यहां से लगभग रनोबॉल ही चाहिए था। टीम ने 10वें ओवर में टिम डेविड के चौके से शतक पूरा किया तो जीत अब दिखने लगी। विराट कोहली ने सिर्फ 25 गेंदों में हाफ सेंचुरी की, यह उनके आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी भी है। इसके बाद कृणाल पंड्या का एक रन पर विकेट जरूर गिरा, लेकिन इसका असर नहीं पड़ा। विराट कोहली ने खिताबी जीत दिलाकर ही दम लिया। (शेष पेज 13 खेल पेज पर)

आंध्र प्रदेश में दर्दनाक हादसा

तुंगभद्रा नदी में लड़की को बचाने कूदे 5 लोगों की मौत, बच्ची सुरक्षित



पैर धोते समय फिसला था मासूम का पैर

एजेंसी ►► कुरनूल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले से एक बेहद हैरान और व्यथित करने वाला मामला सामने आया है। यहां की तुंगभद्रा नदी में डूब रही एक नाबालिग लड़की को बचाने के प्रयास में 5 लोगों की डूबने से मौत हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि लड़की की जान सुरक्षित बचा ली गई है। यह हृदयवादाकर घटना शनिवार शाम करीब 4:30 बजे की है। एक नाबालिग लड़की तुंगभद्रा नदी के किनारे अपने पैर धो रही थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाकर डूबने लगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया ऐलान गांव से शहर आने वाले किसानों को हेलमेट देंगे



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को अपने चिर-परिचित अंदाज में नजर आए। किसानों के साथ संवाद में उन्होंने कहा कि सरकार हर स्थिति में किसानों की आय बढ़ाएगी। इतना ही नहीं, गांव से शहर आकर सब्जी, फल, दूध आदि सामान बेचने वाले किसानों की जान बचाने के लिए सरकार उन्हें हेलमेट देगी। इससे पहले उन्होंने शाजापुर जिले के शुजालपुर में जनप्रतिनिधियों-किसानों के साथ बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रैंडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134 वां संस्करण सुना, तो दूसरी तरफ किसानों के साथ आत्मی संवाद किया।

पाठक सूचना

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

खराब मौसम केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से बंद
रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। पर्वतीय क्षेत्रों में जारी मूसलाधार बारिश और आगामी घंटों में तेज तूफान की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के लिए यह निर्णय लिया गया है।

पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट इयूटी घटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम निर्यातकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने 1 जून से पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन प्यूल (एटीएफ) पर एक्सपोर्ट इयूटी (निर्यात शुल्क) घटाने का ऐलान किया है। नई दरें अगले 15 दिनों के चक्र के लिए प्रभावी होंगी। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई हैं।

आईपीएस राजीव कृष्ण बने यूपी के स्थायी डीजीपी

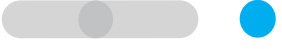
लखनऊ। उप्र सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया है। शासन द्वारा आदेश जारी होने के बाद उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। राजीव कृष्ण इससे पहले कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। तत्कालीन डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवानिवृत्त हो गए हैं।

शिवपुरी में आवारा कुते का आतंक जारी

पूरे शहर में अब भी खौफ का माहौल

हरिभूमि न्यूज़ ►► शिवपुरी

शहर में एक आवारा काले कुते का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों में 60 से अधिक लोगों को घायल करने के बाद, रविवार को भी कुते के हमले के चार नए मामले जिला अस्पताल पहुंचे। इनमें से एक ढाई साल की मासूम बच्ची पर हुआ हमला बेहद दिल



मादक पदार्थ व नशे के खिलाफ पुलिस व एसटीएफ का बड़ा अभियान

मंदसौर में ड्रग्स तस्क़र गिरोह का पर्दाफाश

20 किलो ब्राउन शुगर के साथ 5 अंतर्राज्यीय तस्क़र 'गिरफ्तार'

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंदसौर

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंदसौर पुलिस को एक बहुत बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्क़र गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 20 किलोग्राम ब्राउन शुगर (स्पैक) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है।

31 मई 2026 को नई आबादी पुलिस को सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक अंतर्राज्यीय गिरोह मंदसौर के रास्ते ड्रग्स की बड़ी खेप ले जाने की फिराक में है। पुलिस ने तस्करी और पायलटिंग में इस्तेमाल हो रही दो कारें, सुजुकी एस-क्रॉस और हुंडई क्रैटा जब्त की हैं।



दो लवजरी कारें गजवा, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही

मोबाइल फोनों का तकनीकी विश्लेषण

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नई आबादी थाने में अपराध क्रमांक 89/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साइबर सेल की मदद से जब्त किए गए मोबाइल फोनों का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस गिरोह के मुख्य सप्लायर नेटवर्क, अन्य सदस्यों और उनके वित्तीय लेनदेन (मनी ट्रेल) की गहराई से जांच कर रही है।

सीएम बोले- सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक



'प्रदेश की बेटी' अंजना यादव ने माउंट एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा

भोपाल। रायसेन जिले के सेमरी गांव की रहने वाली अंजना यादव ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट फतह कर इतिहास रच दिया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि अंजना यादव ने हम सभी को गौरवान्वित किया है। उनका साहस, संकल्प और समर्पण सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है।

भोपाल में एसटीएफ की दूसरी बड़ी कार्रवाई

अब मुबारकपुर से 50 लाख रुपए की नशीली कफ सिरप 'जब्त'

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी भोपाल में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसटीएफ की टीम ने 30-31 मई की दरम्यानी रात एयरपोर्ट रोड स्थित मुबारकपुर क्षेत्र में छापेमारी कर करीब 50 लाख रुपए कीमत की प्रतिबंधित और नशीली कफ सिरप बरामद की है। जब्त की गई खेप में मुख्य रूप से ऑफ-कफ और ऑनरेक्स ब्रांड की कफ सिरप शामिल हैं। नशे के रूप में दुरुपयोग की जाने वाली इन सिरप के भारी स्टॉक और कार्टों को एसटीएफ ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस इलाके में अवैध भंडारण की खुफिया सूचना मिलने के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इस कार्रवाई को अंजाम दिया।



सिरप का भंडार

इससे पहले गांधीनगर में डेढ़ करोड़ से ज्यादा की सिरप मिली थी

राजधानी और उसके आसपास नशीली दवाओं के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिए एसटीएफ ने अपना अभियान तेज कर दिया है। इससे पहले एसटीएफ ने गांधीनगर क्षेत्र की डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी में करीब 3 घंटे चली देर रात की छापेमारी में 1.5 करोड़ रुपए की नशीली कफ सिरप बरामद की थी।

युद्धक क्षमता बढ़ाना प्राथमिकता

एडमिरल कृष्णा ने संभाला नौसेना प्रमुख का पदभार

एजेंसी ►► नई दिल्ली

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को भारतीय नौसेना के 27वें प्रमुख के रूप में आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्हें साउथ ब्लॉक परिसर में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया है।

ट्विशा डेथ केस में अहम सबूत

आरक्षक के 34 मिनट के वीडियो में घटना की सच्चाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

ट्विशा डेथ केस की जांच में भोपाल पुलिस के आरक्षक राघवेंद्र सिंह पटेल की बनाई गई 34 मिनट की वीडियोग्राफी सबसे अहम साक्ष्य साबित हुई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आरक्षक की इस पेशेवर कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए राज्य सरकार से उन्हें पुरस्कृत करने की सिफारिश की है। जांच के शुरुआती दौर में जब स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी।

12वीं के छात्रों ने उजागर किया था आंसरशीट्स डेटा लीक का मामला

सीबीएसई ने माना-ओएसएम पोर्टल में खामियां साइबर एक्सपर्ट टीम ने शुरू किया सुधार कार्य

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने ऑनलाइन पोर्टल में सुरक्षा की बड़ी गड़बड़ी की बात स्वीकार कर ली है। लाखों छात्रों की आंसरशीट्स सार्वजनिक होने की आशंका और पोर्टल की सुरक्षा में संध को लेकर बोर्ड ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है। सीबीएसई ने सार्वजनिक रूप से माना कि उनके सर्विस प्रोवाइडर के ऑनमार्क पोर्टल में सिक्नोरिटी की खामियां थीं। पिछले कुछ दिनों में सरकार के विभिन्न विभागों और आईआईटी के साइबर सिक्नोरिटी प्रोफेशनल्स की एक एक्सपर्ट टीम को सिस्टम मजबूत करने में लगाया गया है।



फाइल फोटो

बोर्ड ने जानकारी या सुझाव के लिए secy-cbse@nic.in पर संपर्क करने का अनुरोध किया

20 लाख छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कोएम्प्ट कंपनी की अक्षमता और संवेदनहीनता एक बार फिर सामने आ गई है। रमेश ने एक्स पर कहा कि सीबीएसई के बारहवां कक्षा के 20 लाख छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक हो गई हैं।

सीबीएसई के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब 4 लाख से अधिक छात्रों ने ऑनलाइन पोर्टल के जरिए 11 लाख से अधिक आंसरशीट्स की मांग की। बोर्ड ने मार्क्स वेरिफिकेशन (री-इवैल्यूएशन का दूसरा स्टेज) के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 1 जून कर दी है। बोर्ड अब योजना बना रहा है कि साल 2027 से रिजल्ट के साथ ही सभी छात्रों की आंसरशीट्स को सीधे डिजिटलाइज्ड पर उपलब्ध करा दिया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी सुरक्षा कमियों से बचा जा सके।

अभिषेक के आरोपों पर दिलीप घोष ने किया पलटवार

एजेसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप का दौर फिर तेज हो गया है। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी और कल्याण बेनर्जी पर हुए कथित हमले को लेकर सियासी बयानबाजी चरम पर पहुंच गई। अभिषेक का आरोप है कि ये हमला भाजपा ने करवाया है। इस बीच भाजपा नेता दिलीप घोष ने अभिषेक के आरोपों पर कहा कि अभिषेक भाजपा पर हमला करवाने और उन्हें खत्म करने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अगर भाजपा ऐसा करना चाहती तो 15 दिन नहीं लगते। टीएमसी का नामोनिशान नहीं मिलता। भाजपा कानून व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है।

खबर संक्षेप

प्राइवेट स्कूलों को लिखनी होगी ट्यूशन फीस

चंन्नई। तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने

नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है। अगर कोई भी निजी स्कूल तय राशि से ज्यादा फीस लेता है, तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

हिमाचल में 3 नगर निगमों में भाजपा का कब्जा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के 4 नगर निगमों धर्मशाला, मंडी, सोलन और पालमपुर में 17 मई को

हुए चुनावों के नतीजे रविवार को घोषित कर दिए गए। विपक्षी भाजपा ने 3 नगर निगमों पर कब्जा जमाते हुए बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस के केवल पालमपुर नगर निगम को अपने पास बचाने में सफल रही। भाजपा इसे बड़ी संजीवनी मान रही है।

टीएमसी के पूर्व विधायक खोकन दास गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पश्चिम बंगाल की वर्धमान दक्षिण से टीएमसी के पूर्व विधायक खोकन

दास को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। प्रयागराज की हंडिया थाना

पुलिस की मदद से बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बंगाल पुलिस को उत्तर प्रदेश में होने की लोकेशन मिली थी। प्रयागराज की हंडिया थाना पुलिस को अलर्ट किया गया।

आंदोलन के बीच जरांगे ने तोड़ा अनशन

सुंबई। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे मराठा आंदोलन के प्रमुख नेता

मनोज जरांगे पाटिल ने आखिरकार रविवार अनशन समाप्त कर दिया। राज्य सरकार और

आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के बाद कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी, जिसके बाद जरांगे पानी पीकर अपना उपवास तोड़ा।

कई राज्यों के अध्यक्ष बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों का दौर खत्म होने और कानूतिक में नेतृत्व परिवर्तन के सुचारु रूप से

खत्म होने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कुछ राज्यों की इकाइयों के पुनर्गठन और समिति स्तर पर संगठनात्मक जिम्मेदारियों में फेरबदल करने पर केंद्रित किया है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में बड़े फेरबदल की संभावना है।

भाजपा हमला करती तो आपका नामोनिशान नहीं मिलता और यही करना होता तो 15 दिन नहीं लगते, अब राजनीतिक हिंसा की ‘याद’ आई

पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की हत्या की गई



घोष ने टीएमसी पर राजनीतिक हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की हत्या हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने टीएमसी शासन के दौरान हिंसा झेली है। अब लोग जवाब चाहते हैं। घोष ने यह भी कहा कि टीएमसी के अपने नेताओं की हत्या के मामलों में भी पार्टी नेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की थी क्योंकि उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा नहीं था।

पुलिस ने जिसे किया अरेस्ट, टीएमसी से निकला उसका लिंक

अभिषेक पर हमले की जांच में एक नया और बड़ा दिवस्ट सामने आया है। अभिषेक पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई लोगों का संबंध सोनारपुर की पूर्व टीएमसी विधायक लवली मैत्रा के साथ पाया गया है।

हमले के बाद कल्याण से मिलने पहुंचीं ममता



हमें चुप नहीं कराया जा सकता

बंगाल में टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी पर हुगली में हमला हुआ है। कल्याण टीएमसी कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने गए थे। दावा किया गया है कि उसी दौरान उन पर हमला हुआ।

ममता पर लगा अस्पताल के सीईओ को धमकाने का आरोप

बंगाल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देबजीत सरकार ने एक वीडियो साझा किया है। उनका दावा है कि इस में ममता बेनर्जी अभिषेक को अस्पताल में भर्ती कराने मिंटो पार्क स्थित एक निजी अस्पताल के सीईओ को धमकाती हुई दिखाई -सुनाई दे रही हैं।

महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा गंदी जंगली पार्टी: मोइत्रा

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा को गंदी जंगली पार्टी

कहा। मोइत्रा का दावा है कि भाजपा कार्यकर्ता सुष्मिता दत्ता को मोइत्रा ने कहा कि सुष्मिता दत्ता को भाजपा के बड़े नेताओं के साथ देखा गया है और यह भाजपा की गुंडागर्दी है।



बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार आज, 20 नामों की चर्चा तेज

बंगाल के मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी सोमवार को मंत्रिमंडल विस्तार करने वाले हैं। वर्तमान में सरकार में 5 कैबिनेट मंत्री हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री को लेकर कुल 44 मंत्री हो सकते हैं। सरकार और भाजपा के सूत्रों ने कहा कि लगभग 20 और विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सकते हैं।

‘मन की बात’ में प्रधानमंत्री ने कई बातों का किया जिक्र

अब देश में ‘शिकायत नहीं शुरुआत’ का नया मंत्र, मनोरमा नदी साफ हुई

2014 में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक प्रमुख जनसंपर्क मंच बन चुका है। रविवार के एपीसोड में उन्होंने ‘प्रेरणा, परंपरा और प्रगति’ की बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों द्वारा लाए गए बदलाव के प्रेरणादायक उदाहरणों पर प्रकाश डाला प्रेरक बताया

एजेसी ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 134वें एपिसोड के जरिए देश और विदेश में नागरिकों को संबोधित किया। 2014 में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक प्रमुख जनसंपर्क मंच बन चुका है। रविवार के एपीसोड में उन्होंने ‘प्रेरणा, परंपरा और प्रगति’ की बात की। पीएम मोदी ने नागरिकों द्वारा लाए गए बदलाव के प्रेरणादायक उदाहरणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बस्ती के आकाश गुप्ता का जिक्र किया, जिन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मनोरमा नदी से प्लास्टिक और जलकुंभी हटाकर उसे साफ किया; इस तरह उन्होंने नदी की स्वच्छता बहाल करने में मदद की और स्थानीय समुदाय में जागरूकता भी फैलाई। उन्होंने गोवा के एक रिटायर्ड टीचर, बालकृष्ण अय्या की कहानी भी शेयर की, जिन्होंने मछी-तोलाप इलाके में पानी की कमी की समस्या को दूर करने पानी की पाइपलाइन बिछाने में मदद करके कई घरों तक पानी पहुंचाया।

कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में बोले

नदी की स्वच्छता बहाल करने में मदद की और स्थानीय समुदाय में जागरूकता भी फैलाई

युवाओं में एस्ट्रोनोंमी के प्रति रूझान बढ़ा



पीएम मोदी ने विज्ञान में भारत की बढ़ती दिलचस्पी पर जोर देते हुए देश की खगोल विज्ञान की समृद्ध परंपरा और युवाओं की बढ़ती भागीदारी के बारे में बात की। उन्होंने बैंगलोर एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, खगोल मंडल, एस्ट्रो-केरलम और आईएएससी जैसे संगठनों का जिक्र किया, जो वर्कशॉप, नाइट कैंप और एजुकेशनल प्रोग्राम के जरिए खगोल विज्ञान को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

किसानों के साथ आम की किस्मों का भी उल्लेख किया

प्रधानमंत्री ने भारत के आम के प्रति प्रेम का भी जिक्र किया, और हापुस, केसर, दशहरी और लंगड़ा जैसी किस्मों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आम की खेती अब गांवों से निकलकर वैश्विक बाजारों तक फैल रही है और भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में किसानों की अहम भूमिका की सराहना की। देश भर में बढ़ते तापमान को देखते हुए नागरिकों से अपील की कि वे भीषण गर्मी के दौरान तृह्तियात बरतें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचें, और सरकार द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें।

साजी वलासेरिल ने बिना शुल्क 15,000 लोगों को प्रशिक्षण दिया

प्रधानमंत्री ने केरल के अलुवा में एक अनोखी तैराकी पहल के बारे में बात की। यहां साजी वलासेरिल एक ऐसा ‘स्कूल’ चलाते हैं जिसके लिए न तो कोई फीस लगती है और न ही कोई इमारत है। यह स्कूल सीधे नदी में ही चलाया जाता है। दिव्यांग बच्चों सहित 15,000 से अधिक लोगों को यहां तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह उदाहरण दिखाता है कि बुनियादी ढांचे के बजाय केवल समर्पण के बल पर भी सामाजिक सेवा किस तरह फल-फूल सकती है।

चंबा में बड़ा हादसा

गहरी खाई में गिरी पर्यटकों से भरी कार, 8 की मौत हो गई

एजेसी ►► चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 7 पर्यटकों समेत 8 लोगों की मौत की आशंका है। हादसा चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड सड़क पर 29 मई की आधी रात को हुआ, जब पर्यटकों को लेकर जा रही एक एर्टिंगा कार गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे खोज अभियान के बीच यह साफ हो गया है कि कार में सवार किसी के भी बचने की संभावना नहीं है।



मृतकों में छत्तीसगढ़ के 7

मृतकों में छग के अरविंद, पत्नी प्राची, उनके 2 बेटे दर्श और अपशद, पीजी कार्तिगहेयन, पत्नी मणिमाला और उनका बेटा नंदन शामिल हैं। इनके अलावा वाहन चालक विश्वास की भी मौत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेश्यावृत्ति कर रही हर महिला ‘मजबूर’ नहीं, उनकी राय सुनें

एजेसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला को मजबूर मानकर उसे पुनर्वास केंद्र में भेज देना गलत है। कोर्ट ने कहा है कि बहुत सी महिलाएं स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। अगर महिला व्यवस्क है तो बिना उसकी मर्जी जाने उसे पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर देना गलत होगा। प्रज्वला बनाम भारत सरकार’ मामले में जस्टिस जेबी पारडीवाला और आर महादेवन की बेंच ने यह बड़ा फैसला दिया है।



एक ही नजरिए से देखना गलत कोर्ट ने व्यवस्था को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ट्रस्ट बताया। फैसले में कहा ‘इम्मोरल ट्रेफिक प्रोवेंशन एक्ट, 1956’ की धारा 17 में हर ‘सेक्स वर्कर’ को एक ही नजरिए से देखा जाता है। कानून में इस बात का फर्क नहीं किया जात कि महिला से जबन यह काम कयाथा जा रहा है या वह अपनी इच्छा से इसे कर रही है।

भारतीय मौसम विभाग ने ताजा जानकारी साझा की

3-4 दिनों में केरल में प्रवेश करेगा मानसून विभाग ने बताया कि फिलहाल स्थितियां अनुकूल बन रहीं

एजेसी ►► नई दिल्ली

देशभर में भीषण गर्मी के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब केरल तट के बेहद करीब पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार अगले 3-4 दिनों के दौरान मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों, साथ ही बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।



केरल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मानसून पूर्व गतिविधियां तेज हो गई हैं। कई स्थानों पर बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं दर्ज की जा रही हैं। मानसून की औपचारिक एंट्री की तारीख गिनती शुरू हो गई है।

सामान्य से कम बारिश होगी

तिरुवनंतपुरम में आईएमडी की निदेशक नीथा के. गोपाल के अनुसार इस बार जून महीने में केरल समेत देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मानसून की शुरुआत के बाद 10 जून के आसपास अच्छी बारिश हो सकती है।

बिहार सरकार का अल्टीमेटम

15 दिन के अंदर राबड़ी देवी को खाली करना होगा ‘वह’ बंगला

एजेसी ►► पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेता राबड़ी देवी को पटना जिला प्रशासन ने 10 सकुल रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। प्रशासन की सूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर आवास खाली कर 39 हाईडिंग रोड स्थित आवंटित सरकारी आवास में स्थानांतरित होना होगा। प्रशासन का कहना है कि राबड़ी देवी को शिफ्ट होने का अनुरोध किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवास खाली नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी। शनिवार शाम को पटना पुलिस राबड़ी देवी के आवास पर पहुंची थी। सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी ने राबड़ी देवी से मुलाकात कर प्रशासन का पत्र और निर्देश सौंपा। आवास खाली करने और नए आवास में स्थानांतरित होने को लेकर प्रशासन की ओर से औपचारिक जानकारी दी गई थी।



सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभालते ही कहा- स्वदेशी हथियारों के विकास और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर तेजी से करेंगे काम



एआई फोटो

एजेसी ►नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ यानी



सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक

दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर

पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है। बता दें कि मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को एक साझा भौगोलिक क्षेत्र के तहत एकीकृत करने की एक महत्वाकांक्षी रक्षा सुधार योजना है। इसके तहत वर्तमान में अलग-अलग काम करने वाली 17 सिंगल-सर्विस कमानों को मिलाकर तीन प्रमुख एकीकृत थिएटर कमांड में तब्दील किया जा रहा है, ताकि युद्ध या आपातकाल के समय तीनों सेनाएं एक ही कमांडर के नेतृत्व में मिलकर त्वरित और अचूक कार्रवाई कर सकें। तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में इस योजना के अंतिम प्रस्ताव को मंजूरी की प्रक्रिया में लाया गया है, जिसे भारत की सैन्य रणनीति का अब तक का सबसे बड़ा पुनर्गठन माना जा रहा है।

तीनों सेनाओं का तालमेल बढ़ाने पर होगा फोकस

बता दें कि जनरल सुब्रमणि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत थे। पिछले साल 31 जुलाई को सेना उप प्रमुख के पद से जनरल सुब्रमणि रिटायर हुए थे। सीडीएस का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, जनरल सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों का रूपांतरण, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनका प्राथमरी टारगेट होगा।

स्वदेशी हथियार पर रहेगा जोर
सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण को दिशा में में तेजी काम करेंगे। हमारी सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में लगातार प्रोफेशनलिज्म और निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है। हम अपने भारत को संप्रभुता बनाए रखने और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।
साहस के साथ करेंगे देश की सेवा
जनरल सुब्रमणि ने आगे कहा, मैं भारत के नागरिकों को आश्वासन देना चाहता हूँ कि सशस्त्र बल, समर्पण, साहस, सम्मान और प्रोफेशनलिज्म के साथ देश की सेवा करना जारी रखेंगे।
सीडीएस को अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों का है अनुभव
अपने 40 साल से ज्यादा के करियर में, जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही, कमांड, स्टॉफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई पदों पर रह चुके हैं। जनरल सुब्रमणि ने 1 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक सेना के उप प्रमुख के तौर पर और मार्च, 2023 से जून, 2024 तक सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है।

खबर संक्षेप

बिना पायलट का शिकारी विमान! करेगा विध्वंस

नईदिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग अब सिर्फ पारंपरिक सैन्य अभ्यासों तक



सीमित नहीं रह गया है, बल्कि भविष्य की अत्याधुनिक हवाई युद्ध तकनीक की ओर भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी दिशा में हुए 12वें एयर स्टाफ टॉक्स के दौरान बोइंग का एमक्यू-28 गोस्ट बेट एक बड़े आकर्षण के रूप में सामने आया, जिसने भविष्य के एयर कॉम्बैट सिस्टम को लेकर दोनों देशों की साझा रुचि को उजागर किया। इस विमान को लेकर भारत और आस्ट्रेलिया दोनों ही देशों में उत्साह देखा जा रहा है।

आज पीएम मोदी मिलेंगे म्यांमार के राष्ट्रपति से

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग हाईंग आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ



व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी परियोजनाएं, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों पड़ोसी देशों के बीच चर्चा में प्रमुखता से शामिल होंगे की उम्मीद है। म्यांमार के नेता शनिवार को पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे, यह उनकी वर्तमान क्षमता में भारत की पहली यात्रा है, जो पड़ोस और हिंद-प्रशांत रणनीति में स्थान रखने वाले देश के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी रहेगी।

चीन की मिसाइल से ईरान में गिरा अमेरिकी विमान

नई दिल्ली। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ-15



फाइटर जेट को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस लड़ाकू विमान को चीन निर्मित शोलडर-फायर्ड मिसाइल से निशाना बनाया गया हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ईरान को संघर्ष के दौरान अतिरिक्त सैन्य सहायता भी दी हो सकती है। इसमें स्ट्रेथ एयरक्राफ्ट तकनीक और लंबी दूरी की रडार प्रणालियां भी शामिल की गई हैं।

बातचीत से मसला सुलझाने का भरोसा दिया नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया लिपुलेख पर ब्रिटेन मध्यस्थ बने: बालेन शाह

यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर है आधारित

एजेसी ►►काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र(बालेन) शाह ने भारत से लगी सीमा को लेकर देश की संसद में एक विवादित बयान दिया है। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरेन राय के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संवेदनशील मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर



विचार करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह ने संसद को आश्चर्य किया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेपाल इस संबंध में भारत को आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है, जिसके जवाब में भारत ने दोनों देशों के इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की टीम बनाकर समाधान तलाशने की बात कही है। चीन और भारत में होने वाले व्यापार पर नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की नेता पद्मा अर्याल के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने एक नया मोड़ दिया।

क्या है विवाद?
भारत और नेपाल के बीच यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी को सीमा मानकर ये क्षेत्र उसके भू-भाग में आते हैं। वहीं, भारत का रुख स्पष्ट है कि ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का अकिंच हिस्सा हैं, जहाँ 1950 के दशक से भारतीय सीमा चौकी मौजूद है।



आकलन करने के लिए तत्काल एक चीता हेलीकॉप्टर भेजा गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए एमआई-17 वी5 मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। कसौली के सोलन जिले स्थित कसौली बीट क्षेत्र में लगी आग ने लगभग 10 हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया था।

दिन-रात चलाया ऑपरेशन कसौली की आग बुझाने में जुटी वायुसेना,चल रहा बड़ा अभियान

एजेसी ►►शिमला

हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए भारतीय वायु सेना ने दिन-रात लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया। वायुसेना ने एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों की मदद से प्रभावित क्षेत्र में 93,000 लीटर से अधिक पानी का छिड़काव कर आग को व्यापक विनाश का रूप लेने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वायुसेना को 26 मई को कसौली के निकट जंगल में आग लगने की सूचना मिली थी। स्थिति का

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25% अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को

ट्रंप के दावे पर ईरान का पलटवार होमुंज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध अब भी बरकरार

एजेसी ►►नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंध हटाने के दावे के बावजूद ईरानी जहाजों को अभी भी होमुंज जलडमरूमध्य से गुजरने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। ईरानी नौसैनिक अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और अमेरिकी केंद्रीय कमान की ओर से जहाजों को क्षेत्र में प्रवेश न करने की चेतावनी दी जाती रहती है। ट्रंप ने शुक्रवार को टुथ सोशल वन क्षेत्र को पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी



नौसैनिक नाकाबंदी अब हटा ली जाएगी। इसी पोस्ट में उन्होंने ईरान के साथ संभावित समझौते की शर्तें भी रखीं। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने पर सहमत होना होगा। सिन्हूआ समाचार एजेंसी के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा कि होमुंज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाना चाहिए, ताकि दोनों दिशाओं में बिना किसी प्रतिबंध के जहाजरानी हो सके और सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटा दी जाएं।

मुज में शाह की उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक सीमा सुरक्षा और घुसपैट रोकने दिया बड़ा प्लान

एजेसी ►►नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी सहित राज्य सरकार और सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीमा सुरक्षा, घुसपैट, तस्करी, आर्थिक अपराध और तटीय सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और



राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में घुसपैट और सीमा पार तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण को ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत समाप्त किया जाना है। उन्होंने सीमावर्ती

क्षेत्रों में कट्टरपंथी गतिविधियों के संभावित केंद्रों पर भी लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट नियमित रूप से जनसांख्यिकी परिवर्तनों की निगरानी करें और इसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के कारण हो रहे रिवर्स माइग्रेशन को सकारात्मक संकेत बताया। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि पहले से बसे अवैध घुसपैटियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के लिए प्रशासन के सभी स्तरों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को पूरा करना प्राथमिकता

अडाणी बोले- पीछे छूट चुके अमेरिका में कानूनी मामले अब विकास के अगले चरण को गति देने पर है फोकस

समूह का कर परचात लाभ 13.9 प्रतिशत बढ़कर 46,377 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

एजेसी ►►नई दिल्ली



अरबपति उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि अमेरिका में अडाणी समूह से जुड़े कानूनी मामलों का अध्याय अब पीछे छूट चुका है। समूह अब अपनी अगली विकास यात्रा पर पूरी मजबूती के साथ फोकस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह अब ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश को तेज करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समूह के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाना नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचा और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तेजी से लागू करना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)

कि यह उस समय हुआ जब समूह को कॉर्पोरेट गवर्नंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह ऐसा वर्ष था, जब दुनिया और अधिक विभाजित और जटिल होती जा रही थी। ऊर्जा सुरक्षा फिर से राष्ट्रीय रणनीति के केंद्र में आ गई थी और तकनीक किसी भी देश की संप्रभुता से सीधे जुड़ गई थी।

न हम झुके न हम रुके

गौतम अडाणी ने कहा कि यह प्रगति आसान परिस्थितियों में नहीं हुई। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक फैले समूह को असाधारण जांच-पड़ताल और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हम झुके नहीं और न ही रुके। उन्होंने आगे कहा, हमारी पहचान हमारे आपस-पस के शोर से नहीं, बल्कि हमारी प्रतिक्रिया की ताकत से होती है। हमारी पहचान चुनौतियों की ताकत से नहीं, बल्कि हमारे उद्देश्य की स्पष्टता से होती है। आलोचनाओं से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उस विश्वास से होती है, जिस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका में हल रहे कानूनी मामलों से जुड़ी बातें उस पीछे छूट चुकी हैं। इससे हमें नए आत्मविश्वास और विश्वास के साथ अपनी अगली विकास यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला। उन्होंने समूह की रणनीति को दो प्रमुख विकास स्तंभों इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस पर आधारित बताया। उनका कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते उपयोग के कारण बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, डाटा केंद्र और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, एआई के सीचने से पहले ऊर्जा की प्रवाह होना जरूरी है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय महोत्सव में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र ‘उदन्त मार्तण्ड’ और उसके सम्पादक युगल किशोर शुक्ल के सम्मान में एक स्मृति डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण जारी किया। संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) तथा माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में यहां आईजीएनसीए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ‘हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल की महागाथा’ ग्रंथ का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामना संदेश भेजा, जिसे आईजीएनसीए के अध्यक्ष ‘पद्म भूषण’ रामबहादुर राय ने पढ़कर सुनाया। राय आयोजन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 1826 में ‘उदन्त मार्तण्ड’ के प्रकाशन के साथ आरम्भ हुई हिन्दी पत्रकारिता की द्विशताब्दी की यात्रा का यह अहम पड़ाव भारत की चेतना, विचार और जनजागरण का उत्सव है।

हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी पर जारी हुआ स्मारक डाक टिकट

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा – हिन्दी पत्रकारिता की द्विशताब्दी भारत की चेतना विचार और जनजागरण का उत्सव

‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’ सहित तीन पुस्तकों का विमोचन, ऐतिहासिक प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र



स्मृति डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण जारी किया

भारत की वैचारिक चेतना का उत्सव

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, यह अतिथ्योक्ति नहीं होगी, अगर हम कहें कि पत्रकारिता के इतिहास की गाथा भारत के इतिहास की भी गाथा है। आज का आयोजन भारत की वैचारिक चेतना का उत्सव है। उन्होंने कहा, पत्रकारिता कोई पेशा नहीं है, यह राष्ट्र चेतना का आंदोलन है। श्री सिंधिया ने पत्रकारिता में अपने पूर्वजों के योगदान का भी स्मरण किया।

‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’

आयोजन में ‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’ का विमोचन भी हुआ। ‘पद्म श्री’ विजयदत्त श्रीधर और डॉ. सच्चिदानंद जोशी द्वारा संपादित यह ग्रंथ हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की व्यापक यात्रा का दस्तावेज है। इस पुस्तक में हिन्दी पत्रकारिता के 30 दिग्गजों के लेख शामिल हैं, जो हिन्दी पत्रकारिता के विविध पक्षों के उद्भव, विकास और वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हैं। इसके साथ ही, कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्रीकांत सिंह की पुस्तक ‘हिन्दी पत्रकारिता के हिन्दीतर उन्नायक’ का भी लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक में गैर-हिन्दीभाषी क्षेत्रों के पत्रकारों के हिन्दी पत्रकारिता में योगदान के बारे में बताया गया है।

200 वर्षों की यात्रा को चित्रित करने वाली प्रदर्शनी

कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यात्रा को चित्रित करने वाली विशेष प्रदर्शनी रही। प्रदर्शनी में हिन्दी के अग्रणी समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा युगनिर्माता संपादकों के दुर्लभ चित्र और ऐतिहासिक दस्तावेज प्रदर्शित किए गए। आगंतुकों ने ‘उदन्त मार्तण्ड’ से लेकर समकालीन पत्रकारिता तक की विकास-यात्रा को एक ही स्थल पर देखने का अवसर प्राप्त किया। प्रदर्शनी ने पत्रकारिता के इतिहास में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों, पत्रकारों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

लोकतंत्र है तो पत्रकारिता है: राय

अध्यक्षीय उद्घोषण में रामबहादुर राय ने कहा, लोकतंत्र है, तो पत्रकारिता है। अकेले पत्रकारिता नहीं हो सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि जो भी ऊटपटांग बातें सोशल मीडिया पर चलाई जाती हैं, क्या वो खबर है? इसका उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर जो भी लिखा जा रहा है, वह सब खबर नहीं है। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए श्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा, हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा प्रतिरोध की यात्रा है।

‘ददा’ और ‘विद्यार्थी’ को किया याद

आशीष वक्तव्य में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र ने ददा माखनलाल चतुर्वेदी और गणेश शंकर विद्यार्थी को याद करते हुए कहा, उस समय पत्रकारिता में ऐसे-ऐसे लोग थे जिन्होंने देश को सबसे आगे रख सर्वस्व अर्पण कर दिया। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव, शिक्षाविद, साहित्यकार डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने आयोजन का प्रस्ताव वक्तव्य दिया।

ग्लोबल स्किल पार्क कौशल प्रशिक्षण से युवा लाभांवि

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क कौशल विकास की उस नई कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां प्रशिक्षण केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हमरी में औद्योगिक समूह एसआरएफ लिमिटेड में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन शुरू कर चुके हैं। विद्यार्थियों में एडवॉंस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी लकी साहू तथा एडवॉंस्ड मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज कोर्स के विद्यार्थी रौशन कुमार और मयंक जागिड़ शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर की जमानत याचिका खारिज

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुनीग्रम मुरुगेसन की जमानत याचिका को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली ने निरस्त कर दिया है। इसी क्रम में थाईलैंड सरकार से प्रत्यर्पण की स्वीकृति मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय तस्कर मुनीग्रम मुरुगेसन को भारत लाया गया। वर्तमान में वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में निरुद्ध है।

हाईवे ड्राइवरों के लिए जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर, देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हाईवे ड्राइवरों और परिवहन कर्मियों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जागरुकता अभियान ‘तंबाकू छोड़ो, स्वस्थ जिंदगी के सफ़र से जुड़ो’ की शुरुआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत एम्स भोपाल के एक चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा एक हाईवे ढाबे पर जागरुकता सत्र आयोजित किया गया, जिससे तंबाकू की लत और स्वास्थ्य से जुड़ी खुली चर्चा के लिए एक परिचित और सख्त वातावरण तैयार हो सका। इस सत्र में ट्रक चालकों और परिवहन कर्मियों ने भाग

आरोपी महिला ने बताया, शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता था युवक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा, पति पत्नी और देवर ने की थी युवक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ►► कबीरधाम

जिले में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है। अश्लील वीडियो के जरिए कथित ब्लैकमेलिंग से परेशान एक महिला ने अपने पति के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बोरी में भरकर ट्रैक्टर से कुछ किलोमीटर दूर ले जाकर फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले का रिवार को खुलासा करते हुए महिला, उसके पति और देवर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चौकी पोंडी क्षेत्र के ग्राम बैहसरनी निवासी कोमल वर्मा 28 मई की रात से लापता थी। परिजनों ने अगले दिन गुमशुदगी दर्ज कराई। इसी बीच थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोढा में एक बोरी के भीतर युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप

शोर सुनकर पति जागा, फिर दिया अंजाम

पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि मृतक उसके अश्लील वीडियो के आधार पर उसे लगातार ब्लैकमेल करता था। वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाता था। घटना वाली रात भी उसने महिला पर मिलने और संबंध बनाने का दबाव बनाया था। इससे तंग आकर उसने युवक को अपने घर बुलाया। घर पहुंचते ही उस पर मकान निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले सिरिया मोड़ने के बड़े पाना से हमला किया गया। शोर सुनकर महिला का पति रामस्नेही वर्मा भी जाग गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर युवक की हत्या कर दी।



लिया और तंबाकू सेवन से जुड़े दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर विचार-विमर्श किया। एम्स भोपाल के मनोचिकित्सा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. तन्मय जोशी ने इस सत्र में वक्ता के रूप में भाग लिया। ड्राइवरों की प्रतिक्रिया अत्यंत सकारात्मक रही।



मच गया। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की कॉल डिटेल और अंतिम लोकेशन खंगाली। पड़ताल में सामने आया कि घटना से पहले उसकी बातचीत मंदाकिनी वर्मा नामक महिला से हो रही थी। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरे हत्याकांड का खुलासा हो गया।

एक जिले में 70 साल बाद पेयजल की समस्या हुई दूर

डिंडौरी जिले में रात्रि चौपाल अभियान 17 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ। कलेक्टर अंजु सिंह भदौरिया ने ग्राम मुकदम टोला, कारीगढ़हरी और चंद्रगढ़ में रात्रि चौपाल लगाई। बैगा बहुल ग्राम पंचायत खजरी माल के ग्राम चंद्रगढ़ के लोग 70 साल से पानी की समस्या से जूझ रहे थे। कलेक्टर के निर्देश पर नल-जल योजना के तहत मात्र 40 दिनों में घर-घर नल कनेक्शन लगाकर पेयजल उपलब्ध करा दिया गया।

रात्रि चौपालों में बिजली, पानी, सड़क, रोजगार, वृद्धावस्था पेंशन, पीएम आवास, जनमन आवास, दिव्यांग प्रमाण पत्र, खेत तालाब, मेढ़ बंधान, नाली, नहर एवं आम रास्तों जैसी समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। कई गांवों में आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी नहीं बनने के मामले भी आए। कलेक्टरों का कहना है कि अधिकांश समस्याओं का निराकरण मौके पर त्वरित रूप से किया जा रहा है।



फाइल फोटो।

तंबाकू छोड़ो और स्वस्थ जिंदगी के सफर से जुड़ जाओ..

आंध्रप्रदेश से आए विक्रेताओं की करतूत पर शक शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में निकली छिपकली से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ►►सुकमा

जिले के एरांबोर क्षेत्र में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार समारोह में आंध्र प्रदेश से पहुंचे कुछ विक्रेता आइसक्रीम बेच रहे थे। इसी दौरान एक आइसक्रीम में छिपकली दिखाई देने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। घटना के बाद समारोह में मौजूद लोगों

ने तत्काल आइसक्रीम खाना बंद कर दिया और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि मामले को लेकर कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। इधर, घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आइसक्रीम के भीतर छिपकली दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।



फाइल फोटो।

नाबालिग को संवेदना कक्ष में रखने के कारण गिरी गाज थाना प्रभारी और महिला प्रधान आरक्षक को पुलिस अधीक्षक ने किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज ►►राजनांदगांव

जिले के सोमनी थाना पुलिस ने सोमनी थाने में नाबालिक बालिका को उसके परिवार के साथ रात में संवेदना कक्ष में रखने और महिला प्रधान आरक्षक के द्वारा नाबालिक बालिका के साथ अभद्र व्यवहार करने के मामले में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा

ने कार्रवाई की है और तत्काल प्रभाव से तत्कालीन थाना प्रभारी अरुण कुमार नामदेव और महिला प्रधान आरक्षक राजश्री सिंह को निलंबित किया गया है। पहले नाबालिग बालिका की जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी में की गई, जहां उसे प्रेनेंट बताया गया, जिसके बाद नाबालिक छात्रा के परिजनों ने अन्य स्थान पर

चेकअप कराया जहां प्रेगनेंसी नहीं पाई गई। इसी मामले को लेकर नाबालिक बालिका से पूछताछ करने नाबालिक बालिका और उसके परिवार की सोमनी थाने में पुलिस कर्मियों के द्वारा बुलाया गया और रात में संवेदना कक्ष में रखकर पूछताछ की गई और अभद्र व्यवहार किया गया।

चोरका दांड गांव की घटना, गांव में पसरा मातम, बदल गया जिले का मौसम

तेज आंधी और तूफान के बीच पेड़ की भारी डाल गिरने से तीन युवकों की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ►►कोरबा

जिले के पाली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। तेज आंधी-तूफान के बीच पेड़ की भारी डाल गिरने से तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना चोरका दांड गांव में हुई, जिससे पूरे गांव में मातम पसर गया। शनिवार को सुबह से ही जिले में मौसम का मिजाज बदला हुआ था। अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश और आंधी-तूफान देखने को मिला। शाम करीब 5 बजे पाली क्षेत्र में मौसम अचानक बिगड़ गया और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। चोरका दांड गांव के तीन युवक शिवराज देवकाम 14 वर्ष, जिसमलेश बड़ा 18 वर्ष और दिनेश तिकी 17 वर्ष कहीं से लौट रहे थे। वे बारिश और आंधी से बचने के लिए एक बड़े पेड़ के नीचे रुक गए।



कुछ ही देर बाद तेज आंधी के कारण पेड़ की एक बड़ी डाल टूटकर तीनों के ऊपर गिर गई। डाल इतनी भारी थी कि तीनों उसके नीचे दब गए और उनकी जान चली गई। आसपास के लोगों ने ग्रामीणों को बुलाया, जिन्होंने डाल हटाई, पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मृतक तीनों युवक गहरे दोस्त थे और एक ही गांव के रहने वाले थे।

घरों में चीख-पुकार मची, परिजनों का रो-रोकर

बुरा हाल

पाली थाना प्रभारी नागेश तिवारी ने घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मार्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है। परिजनों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। हादसे के बाद मृतकों के घरों में चीख-पुकार मची है। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पोडित परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। मौसम विभाग ने पहले ही आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया था।

बीजापुर के भैरमगढ़ में तेज आंधी-तूफान से तबाही के हालात



बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ में बीती रात करीब 1:30 बजे आगे तेज आंधी-तूफान ने भैरमगढ़ क्षेत्र में व्यापक नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं के कारण कई मकानों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा बिजली के खंभे टूटकर गिर गए, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। जानकारी के मुताबिक भैरमगढ़ के पुसनार में स्थित अमरो ढाबा की छत तेज हवा के कारण पूरी तरह उड़ गई। वहीं पूर्व मंत्री महेश गांगड़ा के बंगले के सामने बिजली का खंभा टूटकर गिर गया। अचानक आए इस आंधी-तूफान से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ है तथा जनजीवन प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था बहाल करने तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जबलपुर। रविवार को प्रातः 6 बजे मां नर्मदा जी के सिद्धघाट गौरीघाट से स्वयः सिद्ध हनुमान प्रभात फेर रामपुर के संयोजन में मां नर्मदा जी की पंच कोषी यात्रा जनत गुरुजी डॉ. बालगोविन्दरायचारी महाराज ने मां की आरती पूजन करकर संत भगतदास तिवारी, रामानुगह शास्त्री की पावन उपस्थिति पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व के उपलक्ष्य में पूर्णिमा तिथि के शुभ अवसर का कार्यक्रम के संयोजक ठाड़ेख महारव ने बताया कि यात्रा सिद्धघाट से प्रारंभ होकर तिलवारा और तिलवारा से ललपुर होत हुए खारी घाट मार्ग से सिद्धघाट पहुंची यात्रा का स्वागत किया गया। सुरेन्द्र तिवारी, भीमसेन मिश्रा, शोषमणि पटेल, बाबूलाल तिवारी, इस अवसर पर त्रिमूर्ति नगर महिला मंडल ने भंडारे का आयोजन किया जिसमें माया कनोजिया, शशि सिमरौरे, सदासुख बघेल, विमला वर्मा, भागवती झारिया, वन्दना कोल, अनिता महावर, अमन पटेल, संध्या पटेल, रकमणि तिवारी सभी ने प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर जिन्होंने प्रमुख रूप से यात्रा की राजेन्द्र तिवारी, राजेश चौबे, भूत सिंग ठाकुर, विरेन्द्र रैकवार, राजेश दुबे, देवलाल झारिया, देवलाल ब्राह्म, बदन सिंग ठाकुर विनोद गर्ग, किशन लाल गुप्ता, राजू राठौर, घनश्याम राठौर, नारायण पटेल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

एथलीट्स के रिकॉर्ड बनाने, मनोरमा नदी को बचाने के अभियान तक, पीएम ने की तात्कालिक विषयों पर मन की बात

माजपा ने जबलपुर महानगर के सभी 1041 बूथों में सुना प्रधानमंत्री के मन की बात का 134वां संस्करण

जबलपुर। प्रतिमाह के अंतिम रविवार को आयोजित प्रधानमंत्री के मन की बात के कार्यक्रम के 134वें संस्करण को भाजपा जबलपुर के सभी 1041 बूथों में समस्त पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं एवं आम जनों द्वारा सुना गया।

प्रधानमंत्री के “मन की बात” कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने उत्तर विधानसभा के दीनदयाल चौक स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में, जिला प्रभारी पूर्व सांसद आलोक संजर ने नर्मदा मंडल अंतर्गत ग्वारीघाट वार्ड स्थित मनीष दुबे के निवास पर नाविकों एवं क्षेत्रीयजनों के साथ, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने केंट विधानसभा अंतर्गत वीर सावरकर मंडल स्थित कृषि विश्वविद्यालय में, महापौर जगतबहादुर सिंह अनू एवं नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज ने विवेकानंद मंडल स्थित स्मार्ट सिटी सभागार में, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, श्रीकांत साहू एवं मन की बात के प्रभारी राजेश मिश्रा ने पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के कार्यक्रम में सभी तात्कालिक विषयों पर चर्चा



की।

प्रधानमंत्री ने मन की बात के 134वें संस्करण में एथलेटिक्स में भारत के बढ़ते दमखम पर चर्चा की। उन्होंने स्वदेशी पेय पदार्थों, ज्ञान भारतम अभियान, खगोल विज्ञान, गंगा डॉलिफन, स्वच्छता और दान के महत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से बात की, साथ ही नीदरलैंड से वापस लाई गई चोल ताम्र पट्टिकाओं पर भी विस्तार चर्चा की, नागरिकों से गर्मियों में बचाव करते हुए सुरक्षित रहने एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान

रखने की अपील की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 134वें एपिसोड में कहा कि कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पटीशन हुआ। इसमें करीब 800 एथलीट्स ने हिस्सा लिया। ये सभी देशभर से आए थे। इस दौरान चार अलग-अलग इवेंट में चार नेशनल रिकॉर्ड टूटे। गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार, इन साथियों ने अलग-अलग कैटेगरी में नए

रिकॉर्ड बनाए। मैं सबसे पहले तो इन सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगता है, तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं।

उन्होंने कहा, देसी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पना, कच्चे आम का स्वाद और गर्मी से राहत भी। पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी, बड़े गिलास वाली लस्सी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है।

प्रदेश में पहली बार जबलपुर में सीटीओ के जटिल मामलों पर उन्नत प्रशिक्षण, कठिन केसों का होगा उपचार

जबलपुर। गोलडन हार्ट हॉस्पिटल में 2 जून को मध्य प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के हृदय रोग विशेषज्ञों (कार्डियोलॉजिस्टों) के लिए एक विशेष उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में क्रॉनिक टोटल ऑक्लूजन के जटिल मामलों के उपचार एवं नवीन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम एकेडमी ऑफ कार्डियक साइंसेज, जबलपुर एवं गोलडन हार्ट हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पाज पटेल करेंगे, जबकि डॉ. सुदीप चौधरी, डॉ. सुनील जैन, डॉ. राहुल अशोकराव दारनूले, डॉ. सचिन गवंडे, सहयोगी विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सीटीओ के आठ जटिल मामलों का उपचार एवं प्रदर्शन किया



जाएगा। ये ऐसे मरीज होंगे जिनमें पारंपरिक एंजियोप्लास्टी अथवा बायपास सर्जरी करना अत्यंत कठिन या संभव नहीं होता है। उन्नत तकनीकों के माध्यम से ऐसे मरीजों का सफल उपचार करने का प्रयास किया जाएगा। इस विशेष कार्यशाला के लिए जर्मनी से विश्वविख्यात इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं विशेषज्ञ

प्रोफेसर डॉ. जेराल्ड वॉनर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे जर्मनी के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हार्ट सेंटर फ्रैंकफर्ट से जुड़े हुए हैं तथा एंजियोप्लास्टी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे विश्व के विभिन्न देशों में जाकर चिकित्सकों को जटिल CTO प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्रोफेसर डॉ. वॉनर ने ऐसे

मरीजों के उपचार के लिए अनेक नवीन तकनीकों का विकास किया है, जिनकी हृदय धमनियां तीन माह या उससे अधिक समय से पूर्ण रूप से अवरुद्ध होती हैं तथा जिनका उपचार बायपास सर्जरी के माध्यम से भी संभव नहीं हो पाता। इन उन्नत तकनीकों की सहायता से बिना बायपास सर्जरी के भी कई जटिल मरीजों का सफल उपचार किया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का उच्च स्तरीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इससे मध्य प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के कार्डियोलॉजिस्टों को नई तकनीकों को सीखने, जटिल मामलों के उपचार में दक्षता बढ़ाने तथा आधुनिक हृदय चिकित्सा की उन्नत विधियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा।

45 डिग्री तापमान पर ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों ने ली ईआरएस टॉवर उपयोग की फील्ड ट्रेनिंग

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों को फील्ड कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। एमपी ट्रांसको के विभिन्न फील्ड कार्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों को गौराझामर-देवरी (सागर) अति उच्च दाब वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन शिफ्टिंग कार्य स्थल पर फील्ड ट्रेनिंग कराई गई।



लगभग 45 डिग्री तापमान में नेशनल हाईवे पर ओवरब्रिज निर्माण के कारण ट्रांसमिशन लाइनों की शिफ्टिंग का कार्य इमरजेंसी रेस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) टॉवर के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षु इंजीनियरों को ईआरएस टॉवर की कार्यप्रणाली, उपयोगिता तथा आपात परिस्थितियों में इसकी महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एक्सट्रा हाईटेंशन मेंटेंनेंस संभाग दमोह के सहायक अभियंता एम.ए. बेग ने फील्ड पर ट्रेनी इंजीनियरों को एमपी ट्रांसको के “जिरो एक्सीडेंट” लक्ष्य के अनुरूप सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही ट्रांसमिशन लाइन मेंटेंनेंस की विभिन्न कार्यप्रणालियों से अवगत कराते हुए प्रशिक्षुओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।



राज्य स्ट्रेथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य स्ट्रेथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन नेहरू स्टेडियम इंदौर में किया गया, इस प्रतियोगिता में जबलपुर के मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्कारधानी का नाम रोशन कर अपना परचम लहराया। इस प्रतियोगिता में मिशन हेल्थ क्लब की धनुश्री जाटव ने सबजूनियर वर्ग में स्ट्रॉंग वुमेन का खिताब जीता, सीमा मिश्रा मास्टर 2 में स्वर्ण पदक, राजा बाबू बाबिरिया ने मास्टर में रजत पदक, बादल ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक, आस्था कोरी स्वर्ण पदक और जूनियर स्ट्रॉंग वुमेन, प्रांजल निगम स्वर्ण पदक और रजत पदक और जूनियर स्ट्रॉंग मेन, अमित झा स्वर्ण पदक, सुशील कुमार मिश्रा स्वर्ण पदक, हिमांशु पटेल स्वर्ण पदक, सरस्वती स्वर्ण पदक, मोही गुप्ता स्वर्ण पदक, सोनू रेकवार रजत पदक, जीतकर इन खिलाड़ियों ने संस्कारधानी का नाम रोशन किया। ये सभी खिलाड़ी कोच लॉरेंस मार्टिन के मार्गदर्शन में मिशन हेल्थ क्लब में अभ्यासरत हैं। इनकी इस उपलब्धि पर आलोक मिश्रा, मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, तजिन्द्र सिंह टीट्टू, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, सुनील पटेल, दीनू स्वामी, अनूप शर्मा, खूबचंद मलगानी, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, तेजभान सिंह, कुलदीप सिंह आदि ने बधाई दी है।

मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराया

शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी अतिशीघ्र जारी की जाए, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश सहारिया ने बताया कि 01 जून से लेकर 15 जून तक मध्य प्रदेश सरकार ने शासकीय लोक सेवकों के लिए स्थानांतरण हेतु आवेदन मांगे हैं परंतु शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी जारी न होने के कारण शिक्षकगण असमंजस की स्थिति में हैं कि बिना स्थानांतरण नीति के वे आवेदन करें तो किस आधार पर करें, वैसे भी 15 दिन बहुत कम समय है, अतः संगठन आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. से मांग करता है कि आवेदन प्रक्रिया से लेकर स्थानांतरण तक की पॉलिसी बनाकर अतिशीघ्र प्रस्तुत की जाए जिससे उचित प्रक्रिया के तहत शिक्षक अपना ट्रांसफर आवेदन प्रस्तुत कर सकें। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, हेमंत ठाकरे, रऊफ खान, दिनेश गोड, फिलिप एंथोनी, राजकुमार यादव, गुडविन चार्ल्स, दीपेश जैन, सुरेंद्र चौधरी, गोपीशाह, विनोद सिंह, संतोष चौरसिया, वसुपुदीन, मकसूद कादरी आदि ने मांग की है।

मप्र से कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा ई-मेल

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा ने बताया कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री भारत सरकार में अनेक बार केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री रहे मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ को मध्यप्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार कांग्रेस द्वारा बनाया जाता है तो उसका फायदा 2028 वि धा न स मा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिलेगा, इस आशय का ई-मेल वरिष्ठ नेतृत्व को भेजकर अपील की गई कि

कमलनाथ की राज्यसभा में उम्मीदवारी निश्चित की जाए, जिससे कार्यकर्ताओं के अंदर जोश और उमंग पैदा हो सके। श्री कमलनाथ को मप्र से राज्यसभा उम्मीदवार बनाने की अपील विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, दीपक सिंह राजपूत, रूपलाल यादव, ठा. उमेद सिंह, सरोज कांडा सहित अन्य ने की है।

ब्रह्म मुहूर्त में सूरज की किरणें भी करती हैं हरि नाम संकीर्तन का गुणगान

जबलपुर। श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के तत्वावधान पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, पं. घनश्याम दुबे के सान्निध्य में साप्ताहिक संकीर्तन श्रृंखला में गलगला शिव शक्ति दुर्गा मंदिर में प्रातः भव्य हरि नाम संकीर्तन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक देवेन्द्र नेमा ने बताया कि नाम की महिमा को सतयुग, द्वापर युग, त्रेतायुग और कलियुग इन चारों युगों में है, लेकिन कलियुग तो “हरे कृष्ण हरे राम” सबसे सुगम सर्वोपरि साधन है, भगवन्नाम ही सम्पूर्ण पापों का नाश करता है और प्रणाम सभी दुखों को शांत कर देता है। श्री हरि नाम संकीर्तन की अपार महिमा होने से उसके मानसिक जप का भी सम्पूर्ण प्राणियों पर प्रभाव पड़ता है और उससे सबका स्वाभाविक हित होता है, परंतु नाम-संकीर्तन का



प्रभाव वृक्ष, लता आदि स्थावर और मनुष्य, पशु, पक्षी आदि जन्म प्राणियों पर तो पड़ता ही है, निर्जीव-पत्थर, काष्ठ, मिट्टी, मकान आदि पर भी उसका प्रभाव पड़ता है, जहाँ हरि नाम संकीर्तन-जप, ध्यान, कथा, सत्संग आदि भगवत सम्बन्धी बातें हो रही हों, वहाँ जाने से

शान्ति मिलती है, पवित्रता आती है, जीवन पर स्वाभाविक एक विलक्षण प्रभाव पड़ता है; परंतु इसकी अपेक्षा भी कीर्तन-प्रेमी पर नाम-संकीर्तन का विशेष प्रभाव पड़ता है। नाम-संकीर्तन में संकीर्तन सुनने वाले और देखने वाले दोनों पर ही संकीर्तन का प्रभाव पड़ता है।

गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेंद्र जैन- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री महेंद्र जैन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार चोहानी श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सतीश खते- इंद्रा नगर सुहागी निवासी श्री सतीश खते (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राहुल सेठी- कृपाल चौक के पास गुप्तेश्वर निवासी श्री राकेश सेठी के पुत्र श्री राहुल सेठी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रीना सर्वना पिल्ले-



वार्ड आशा चक्की के पास निवासी श्री मूलचंद लडिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंद कुमार शुक्ला- वैशाली परिसर नर्मदा रोड निवासी श्री नंद कुमार शुक्ला (75) का निधन हो

हरिभूमि विजी/शोक/उदावन, एग्री रस, पुण्यतिथि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अनुमति

400/-

प्रति कल्पार 0.00

विजय राहुज

18x से.मी.

वैकल्पिक 300/-

विजय राहुज

18x से.मी.

रंगीन 400/-

विजय राहुज

18x से.मी.

रंगीन 1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग-9303108294, 9407362160





कॉफी डे ग्लोबल ने कमाया 14 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। कैफे कॉफी डे का संचालन करने वाली कंपनी कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जबकि उसकी परिचालन 5.7 प्रतिशत बढ़कर 1,094 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी की मूल इकाई कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का परिचालन लाभ या कर-पूर्व-आय (ईबीआईटीडीए) 27 प्रतिशत बढ़कर 198 करोड़ रुपये हो गया।

असम के चिप संयंत्र में इसी वर्ष से उत्पादन

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि असम के जंगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र में इसी वित्त वर्ष के भीतर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने शनिवार शाम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से हुई मुलाकात के बाद यह बात कही। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उनसे जंगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र की प्रगति पर चर्चा की गई। हमारा लक्ष्य इस वित्त वर्ष के भीतर इस संयंत्र से उत्पादन शुरू करना है।'

उद्योग को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि

मुंबई। उद्योग क्षेत्र को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि दर अप्रैल 2026 के अंत में बढ़कर 15.1 प्रतिशत रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में सात प्रतिशत थी। आरबीआई ने 41 चरित बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बताया कि ये बैंक कुल गैर-खाद्य बैंक ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को समाप्त पखवाड़े में गैर-खाद्य बैंक ऋण में सालाना आधार पर 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि 9.8 प्रतिशत थी।

सेबी के जर्माना आदेश को सैट में चुनौती देगी सुजलॉन

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीली न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में कंपनी ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया।

बीते सप्ताह सरसों तेल में रहा सुधार

नई दिल्ली। कम आवक के बीच अचार के मौसम की मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल के दाम में मामूली सुधार देखा गया। कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से विनौलतेल के दाम में भी सुधार आया। दूसरी ओर, डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से सोयाबीन तेल-तिलहन तथा पाम-पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। गर्मी की फसल की आवक शुरू होने की चर्चा के बीच मृंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है।

डीजल में आइसोब्यूटेनॉल मिलाना हो सकता है साल अंत तक अनिवार्य

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए सरकार डीजल में आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव इस वर्ष के अंत तक ला सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'डीजल में मिश्रण (ब्लेंडिंग) को गंभीरता से देखा जा रहा है। भारत पेट्रोलियम इस दिशा में आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण पर शोध कर रही है, जिसके परिणाम काफी उत्साहजनक

सरकार अनिवार्य करने का प्रस्ताव वर्ष अंत तक ला सकती है

पेट्रोल से डीजल की खपत दोगुना

सचिव ने कहा कि डीजल की खपत पेट्रोल से लगभग दोगुनी होने की वजह से इस ईंधन में मिश्रण का प्रभाव देश की ऊर्जा सुरक्षा पर और भी अधिक होगा। उमाशंकर ने कहा, 'इस वर्ष के अंत तक डीजल में मिश्रण को अनिवार्य करने का प्रावधान लागू किए जाने की संभावना है।' परिवहन सचिव ने कहा कि मंत्रालय पिछले 10-12 वर्षों में आगे बढ़ने वाले ईंधन मिश्रण कार्यक्रम को और आगे बढ़ा रहा है।



पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पूरा

इस काम में ई85 पेट्रोल (85 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाला पेट्रोल) और ई100 (लगभग शुद्ध एथेनॉल आधारित ईंधन) से जुड़े वाहन विनिर्माण नियमों का मसौदा भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है, जिससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है।

कंपनी के सीईओ दुरईस्वामी ने कहा बढ़ती डिजिटल जरूरतें पूरी की जाएगी

वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उतरने की तैयारी में एलआईसी, रणनीतिक निवेश की भी योजना : सीईओ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी बढ़ती डिजिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी रणनीतिक निवेश के जरिये या स्वयं नई इकाई स्थापित कर फिनटेक कारोबार शुरू करने के विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अ धि का री (सीईओ) और प्रबंध निदेशक



सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित

सीईओ ने बताया कि एलआईसी प्रौद्योगिकी नवाचार अपनाने वाली शुरुआती इकाइयों में रही है। कंपनी ने अपने व्यावसायिक अनुप्रयोग विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित किया है, जहां बड़ी संख्या में विशेषज्ञ कार्यरत हैं। हालांकि, आधुनिक प्रौद्योगिकी दांचे और नए डिजिटल मंचों के विकास के लिए बाहरी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं का सहयोग भी लिया जाता है।

कंपनी अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण कर रही

दुरईस्वामी के अनुसार, एलआईसी अपने आंतरिक प्रौद्योगिकी ढल और बाहरी प्रौद्योगिकी साझेदारों, दोनों की क्षमताओं का उपयोग कर रही है। कंपनी विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है और भविष्य में किसी रणनीतिक साझेदारी या नई पहल की घोषणा कर सकती है। उनका कहना है कि एलआईसी का मुख्य उद्देश्य अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना और प्रतिस्पर्धा के बीच अधिक चुस्त एवं प्रभावी बनना है।

संस्थाओं में निवेश करने वाली बड़ी उपक्रमों में रणनीतिक निवेश की वित्तीय इकाई होने के नाते ऐसे विशेष संभावनाएं भी तलाश रही है।

सेंट्रल बैंक की संपत्ति प्रबंधन व क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में संपत्ति प्रबंधन सेवाएं और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बनाई है।

■ चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से शुरू करने की योजना

ने कहा कि इसके लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, 'हम इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले साझेदारों को जोड़ने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह कारोबार शुरू किया जा सके। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के मध्य तक हम इसे शुरू करने की स्थिति में होंगे। कुमार ने कहा कि बैंक गैर-बैंक आय बढ़ाने वाले अन्य उत्पाद भी पेश करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट ग्राहकों



के लिए नकदी प्रबंधन सेवाएं काफी महत्वपूर्ण हैं। यह उत्पाद विकसित किया जा रहा है और अगस्त तक इसे पेश किए जाने की उम्मीद है।

विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे

सीईओ ने कहा, 'हम ऋण पत्र (एलसी) और गारंटी पत्र (एलजी) के कारोबार के जरिये विदेशी मुद्रा लेनदेन को केंद्रीकृत कर रहे हैं। साथ ही विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि शुरुआत में बैंक अपने उन कॉरपोरेट ग्राहकों को लक्ष्य बनाएगा जो वर्तमान में ये सेवाएं अन्य बैंकों से ले रहे हैं।

खाड़ी संकट का इस्पात उत्पादों की कीमतों पर मामूली असर : सेल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट का उसके इस्पात उत्पादों की कीमतों पर केवल मामूली असर पड़ेगा। कंपनी ने कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्गों की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। प्रमुख इस्पात कंपनी सेल के नवनियुक्त चेयरमैन अशोक पांडा ने बताया कि कंपनी दुबई से चूना पत्थर (लाइमस्टोन) जैसे कच्चे माल की खरीद करती है।



पांडा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। पहले माल की लागत एवं भाड़ा (सीएफआर) लगभग 23-24 डॉलर प्रति टन होता था, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 35 डॉलर प्रति टन हो गया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बढ़ी हुई लागत का इस्पात की बिक्री कीमतों पर बहुत सीमित असर पड़ेगा।

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में आई गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयर्स वाला मानक



आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

शेयर बाजार में अगले सप्ताह दो कंपनियों सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज और हेक्सगन न्यूट्रिशन के कुल लगभग 770 करोड़ रुपये के आ रं भि क सार्वजनिक निर्गम (आई पी ओ) खुलने जा रहे हैं।

दोनों ही कंपनी के आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, इसलिए कंपनियों को इस सार्वजनिक निर्गम से कोई राशि

अगले सप्ताह खुलेंगे दो कंपनियों के आईपीओ



प्राप्त नहीं होगी। पूरी राशि बिक्री करने वाले शेयरधारकों को जाएगी। ये प्रस्ताव ऐसे समय में आ रहे हैं जब लगातार बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शेयर बाजार में सुस्ती देखी जा रही है। हाल के सप्ताहों में कई कंपनियों

42 से 45 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय

कंपनी ने अपने 139 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के लिए 42-45 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। प्रस्तावित आईपीओ में प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयर्स का ओएफएस शामिल है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर निर्गम का आकार 138.87 करोड़ रुपये आंका गया है।

को आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिली है, लेकिन अनिश्चित बाजार परिस्थितियों के कारण कई कंपनियों ने अपनी सूचबद्धता योजनाएं टाल दी हैं।

ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा प्रमुख आर्थिक आंकड़ों की घोषणा, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तथा रुपये-डॉलर की विनिमय दर पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। रे लि गे य र ब्रोकिंग के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा

कि बाजार भागीदारों की नजर अमेरिका-ईरान की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों पर बनी रहेगी। ये दोनों कारक मुद्रास्फीति का कहना है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर तथा विदेशी निवेश प्रवाह को सीधे प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को मई माह का अंतिम एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई



(पीएमआई) आंकड़ा जारी होगा, जबकि बुधवार को सेवा क्षेत्र और समग्र पीएमआई के आंकड़े आएंगे। इनसे मांग, कारोबारी गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक मजबूती का संकेत मिलेगा। मिश्रा के अनुसार, सप्ताह की सबसे महत्वपूर्ण घटना शुक्रवार को होने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का निर्णय होगा। निवेशक ब्याज दरों, मुद्रास्फीति और नकदी प्रबंधन को लेकर केंद्रीय बैंक के रुख पर विशेष ध्यान देंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर तथा विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े भी अर्थव्यवस्था की गति और बाहरी क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने में मदद करेंगे।

रुपए की चाल भी दिशा तय करेगी

इनके अलावा वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन, संस्थागत निवेशकों का निवेश प्रवाह और रुपये की चाल भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्वचरितका कन्वेरटनार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि घरेलू स्तर पर आरबीआई की नीतिगत बैठक सबसे महत्वपूर्ण रहेगी।

चिंतन सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े सुविधाओं का दायरा

भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में फेंसिंग का कार्य शुरू होना केवल सुरक्षा का मामला नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले लाखों लोगों के जीवन में स्थिरता और विश्वास लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। लंबे समय से सीमा के कई हिस्सों में बाड़ नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को घुसपैठ, तस्करी, फसल चोरी और सुरक्षा संबंधी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अब जब सीमा पर कंटीले तार लगाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू हुई है, तो लोगों में नई उम्मीद जगी है। चुनाव के कारण क्षेत्र में ठप पड़े कार्यों पर अब एक्शन शुरू हो चुका है। भाजपा की नई सरकार बंगाल में विकास के वादे के साथ आई। लोगों को उम्मीद है कि अब यहां सुरक्षा के साथ सुविधाएं भी मिलेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार स्थित सकारपाड़ा गांव की स्थिति इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है। लगभग चार हजार आबादी वाले इस गांव के अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं। यहां घरों के बाद सीधे खेत शुरू हो जाते हैं और खेतों के बाद बांग्लादेश की सीमा आ जाती है। वर्षों से स्थानीय किसानों की शिकायत रही है कि सीमा पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण उनकी फसलें नुकसान का शिकार होती रही हैं। बंगाल की बांग्लादेश के साथ करीब 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो किसी भी भारतीय राज्य की सबसे लंबी सीमा मानी जाती है। इसके बावजूद करीब 600 किलोमीटर क्षेत्र ऐसा है, जहां अब तक फेंसिंग का कार्य अधूरा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा के अधिकांश हिस्से में बाड़ लग चुकी है, लेकिन शेष क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में सीमावर्ती जिलों में फेंसिंग का विस्तार समय की मांग है। हाल के दिनों में नई राज्य सरकार द्वारा बीएसएफ को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज की गई है। जलपाईगुड़ी, कुचबिहार, सिलिगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में जमीन हस्तांतरण और सुरक्षा ढांचे के विकास का कार्य शुरू हुआ है। यह कदम सीमा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। बीएसएफ आउटपोस्ट, निगरानी तंत्र और फेंसिंग के माध्यम से अवैध घुसपैठ तथा तस्करी पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। हालांकि केवल बाड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या विकास और सुविधाओं का अभाव भी है। इन इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई और रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ इन क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। यदि सीमावर्ती गांवों के युवाओं को रोजगार, किसानों को बेहतर बाजार और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, तभी सुरक्षा उपायों का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंचेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी देश की सुरक्षा व्यवस्था का पहला मानवीय चेहरा होते हैं। इसलिए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना राष्ट्रीय हित का विषय है। फेंसिंग से जहां सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीणों की खेती, आवागमन और दैनिक जीवन प्रभावित न हो। इससे घुसपैठ और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण मजबूत होगा तथा स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भाव बढ़ेगा, लेकिन इस प्रक्रिया की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब सीमावर्ती गांवों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा के साथ-साथ विकास, सुविधाएं और बेहतर जीवन के अवसर भी प्राप्त होंगे।

कमजोर मानसून डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा



महंगाई का लगेगा तड़का अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

मौसम विभाग द्वारा जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंता का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की आशंका बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर-पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक मास में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से विलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है, अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक बढ़ने से पानी को निश्चित रूप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे।

हालांकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था, वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने में पानी की चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक चिंता को जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है, उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरूरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कुलों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। इसी तरह से वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है, वह किसी से छिपी नहीं हैं। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। कुल मिलाकर, कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



शिक्षा नीति अखिलेश आर्येन्दु

»

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है ।

इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है । हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है । वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं । कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया । देश प्रथम का नारा का मतलब– स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा ।

हर युग में प्रासंगिक ‘महादेव’



संकलित दर्शन

कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने धानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

बच्चे नए तंबाकू उत्पादों के प्रति जल्दी आकर्षित होते हैं

वयस्कों की तुलना में बच्चों के नये तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की ओर आकर्षित होने की आशंका नौ गुना अधिक होती है, जिससे ये इस उद्योग की विपणन रणनीतियों का प्रमुख शिकारबन रहे हैं। यह बात प्रमुख जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर चेतावनी देते हुए कही। विशेषज्ञों ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने उत्पादों को युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के वास्ते स्वादयुक्त विकल्पों, आकर्षक डिजाइन, डिजिटल प्रचार और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जिससे नई पीढ़ी के निकोटीन की लत से ग्रस्त होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया इस वर्ष का विश्व तंबाकू निषेध दिवस ‘अनमारकिंग द अपील: काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन’ विषय के साथ मना रही है। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन उत्पादों को विशेष रूप से बच्चों के लिए आकर्षक दिखाने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीतियों और तौर-तरीकों को उजागर करना है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) निदेशक शालिनी सिंह ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अक्सर बच्चों और युवाओं को अपने विपणन प्रयास में केंद्रित करता है।

त्रिभाषा से होगा राष्ट्र चेतना का जागरण कें

द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। गौरतलब है भारत में भाषा का मुद्दा आजादी के बाद से ही चर्चा का विषय रहा है। खासकर हिंदी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में लागू करने और उसे सम्मान के साथ सीखने का मुद्दा राजनीति के गलियारों में समर्थन व विरोध के रूप में जाना गया है। उत्तर भारत में हिंदी और उसकी बेलियों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया।

त्रिभाषा सूत्र शिक्षण संस्थानों में लागू करने की पहल छह दशक पूर्व की गई थी, लेकिन छात्रों में अपनी मातृभाषा के प्रति लगाव नहीं पैदा हुआ। इसकी वजह भारतीय भाषाओं की अपेक्षा अंग्रेजी को ज्यादा तरजीह देना रहा है। केंद्र सरकार ने इस कमी को समझा और एनसीईआरटी ने सत्र 2026-27 में 9वों कक्षा में त्रिभाषा फार्मुला लागू करने का निर्देश जारी किया है। गौरतलब है त्रिभाषा सूत्र का फार्मुला कोठारी आयोग ने छह दशक पूर्व दिया था, जिसे कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे त्रिभाषा सूत्र (फार्मुला) कहा जाता है। वक्त-दर-वक्त इसमें संशोधन किए जाते रहे। 2020 के नई शिक्षा नीति के तहत इसे लागू करने का प्रस्ताव किया गया। इसका मकसद बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ भाषाई, सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रवादी चेतना को बढ़ावा देने के रूप में बताया गया। नई शिक्षा नीति के इस भाषाई फार्मुले के दस्तावेज में कहा गया कि –संवैधानिक प्रावधानों, जनता, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए-त्रिभाषा फार्मुला लागू रहेगा। साथ में यह भी स्पष्ट किया गया कि त्रिभाषा फार्मुला अधिक लचीला होगा और किसी भी राज्य में कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। देश के हर बच्चे को यह सहुलियत होगी कि वह अपने राज्य, क्षेत्र और रूचि के मुताबिक कोई भी दो भाषा पढ़े, जो भारतीय हैं। नई शिक्षा नीति के अनुसार (एनईपी 2020) छात्र भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा कोरियाई, स्पेनिश, जापानी, जर्मन और फ्रेंच जैसी कोई भी भाषा रूचि के अनुसार सीख सकेगा। नई पीढ़ी में भाषाई अभिरूचि के विकास के साथ सांस्कृतिक और

राष्ट्रीय चेतना के जागरण के प्रयास में एनसीईआरटी लगा हुआ है। दो भारतीय भाषा सीखने से छात्र जहां भारतीय सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं की अहमियत को समझ सकेगा वहीं पर भारत की ज्ञान परंपरा और लोक धर्म को भी समझ सकेगा। गौर तलब है भाषा महज शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम या विषय ही नहीं है, बल्कि उस भाषा में सूचित साहित्य, ज्ञान, परंपराओं के साथ उसमें चिंतन की प्रवृत्ति भी विकसित होगी। आजादी के सतहत्तर साल बाद भारत के राजनीतिक दलों में भाषा के मुद्दे पर एक समान चिंतन या समझ पैदा नहीं हो पाई है। इसका परिणाम यह दिखाई दे रहा है कि देश में राष्ट्र भाषा



या राष्ट्रीय भाषा की अहमियत और समझ विकसित नहीं हो पाई है। जो लोग 2020 की शिक्षा नीति और 9वों में लागू होने वाली त्रिभाषा शिक्षा नीति को अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से विरोध कर रहे हैं, उनका विरोध न केवल छात्र के मानसिक और सामाजिक चेतना के विकास में अवरोधक है, बल्कि राष्ट्रीय भाषाई एकता को सबल बनाने की कोशिश पर प्रतिघात जैसा है। भारत आर्थिक रूप से भले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की दिशा में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा हो, लेकिन राष्ट्र एकता की आधार भाषाई एकता के मामले में सबसे पीछे है।

गौरतलब है कि एनसीईआईआरटी ने हर क्षेत्र और हर तरह के छात्रों-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर इसे लागू किया है। विदेशी छात्रों, विद्यार्थ छात्रों और दूसरे तरह के छात्रों को इस फार्मुला से कोई दिक्कत आने वाली नहीं है। यानी शैक्षिक सहजता, मानसिक संतुलन और व्यावहारिक जरूरतों को इससे पूर्ति हो पाएगी। बोर्ड ने त्रिभाषा सूत्र के हर बिंदु और नजरिए पर शिद्दत के साथ गौर किया है। आजादी के वक्त और उसके बाद राष्ट्र भाषा का मुद्दा हल नहीं किया गया, जिसका परिणाम हुआ कि भारत की कोई राष्ट्र भाषा संविधान में इंगित नहीं हो

विचार हरिभूमि 8

पाई। जब कि हिंदी राष्ट्र भाषा बनने की हकदार थी और है, क्योंकि यह सभी भाषाओं से अधिक क्षेत्रफल में और सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली, लिखी और समझी जाने वाली भाषा है। यह चूक या भूल आज तक ठीक नहीं हो पाई है। वकना कोई वजह नहीं कि त्रिभाषा सूत्र पर बेमतलब विरोध किया जाता। किसी भी देश की राष्ट्र भाषा उस देश की आत्मा होती है, क्योंकि राष्ट्र रूपी शरीर में दिल आत्मा रूपी प्राण-वायु से ही धड़कता है। सनातन से भारत में भाषा दिल की धड़कन रही है। वह चाहे संस्कृत, पाली, प्राकृत रही हो या तमिल, कन्नड़ या पंजाबी रही हो। सभी भाषाओं में विपुल साहित्य लिखा गया। इसलिए दक्षिण से यदि त्रिभाषा फार्मुले का विरोध दिखता है तो बेहद अफसोस और चिंता होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अधिक से अधिक भाषा सीखने से व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक, तार्किक, रचनात्मकता, वैज्ञानिकता और संवेदनात्मकता, समीक्षात्मक शक्ति और सहज चिंतन का विकास होता है। विडम्बना यह है कि गुलामी की भाषा अंग्रेजी हमारे रग-रग में इस तरह घुसपैठ कर चुकी है कि अपनी मातृभाषा पर भी ध्यान देना भूल गए हैं।

फिर अपनी मातृभाषा पर गर्व कैसे करेंगे? यह नहीं कहा जा रहा है कि अंग्रेजी को छोड़ हिंदी या दूसरी भारतीय भाषाओं को सीखो। हमारा कहना बस इतना है कि मातृभाषा को भी उतनी ही अहमियत देनी होगी जितनी अंग्रेजी को। आजादी के अमृत काल में देश के युवा वर्ग के साथ-साथ शिक्षकों, समाज सेवियों, अभिभावकों, भाषा और शिक्षाविदों, समाज सुधार करने वाले संगठनों और राष्ट्रधर्मियों को सरकार के इस भाषाई पहल का समर्थन ही नहीं करना चाहिए, बल्कि इसकी जरूरत को त्रिभाषा फार्मुले का विरोध करने वालों को भी समझाना चाहिए। इससे भारत की सभी भाषाओं की अहमियत बढ़ेगी और हिंदी का एकरतफा राजनीतिक विरोध भी खत्म होगा। स्वदेशी अमृत का प्रधानमंत्री का आह्वान महज विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भाषा, संस्कृति, शिक्षा, विचार और साहित्य के क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता समझने और अपनाने के लिए है। इस मुद्दे को हर किसी को देशहित, विद्यार्थी-हित, समाज और संस्कृति-हित के रूप में देखने और समझने की जरूरत है। देश प्रथम का नारा का मतलब –स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अजी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ



संकलित प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महिने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरुजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिने से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया- राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरुजी ने कहा- राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वयं ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं।



गंगा डॉलिफन की रक्षा

गंगा डॉलिफन की रक्षा करके हम न केवल एक प्रजाति का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की अमूल्य विरासत की रक्षा भी कर रहे हैं। इस दिशा में देश की पहली डॉलिफन बावत एफ्लुवैस बेडर उपयोगी साबित हो रही है।
- नरेन्द्र मोदी, मोदी

सांसद पर हमला निंदनीय

सोनाएपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। हर स्तर पर लापरवाही की प्रतिशोध की राजनीति का खिलौना चेहरा है। राजनीतिक मतभेद कभी भी हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकते। कैद और पश्चिम बंगाल सरकार, दोनों को ही अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

जवाबदेही तय की जाएगी

सभी अनाधिकृत निर्माणां के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर स्तर पर लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। कोई भी बिल्डर, अधिकारी या प्राधिकरण काजून से ऊपर नहीं है। दिल्ली सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी है।
- रेखा गुप्ता, सीएन, नई दिल्ली

षष्ट भाजपा राजनीति

भाजपा बेईमानी से चुनाव जीती है, इस तथ्य को भाजपा के एक विधायक ने स्वीकार किया है, जिन्होंने एक मुठबेड़ में षष्ट भाजपा राजनीति का पर्दाफाश किया है और उसे कुचल भी दिया है। इस बात जेता भाजपा के सारे हकठेड़े उजागर कर देंगे।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com



सनक या रंजिश की बलि
चढ़ीं तीन मासूम जिंदगियां

मां ने पहले आशियाने को फूँका, फिर तीन
बेटियों को जहर चटाकर खुद भी चुन ली मौत!

पपौंध के हिरवार गांव में सामूहिक हत्याकांड और सुसाइड, दम तोड़ने से पहले 7 साल की रितिका ने खोला मां का खौफनाक राज, एक ही खेत में एक साथ दफन हुई चार लाशें

शहडोल। जिले के दूरस्थ पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवार गांव से एक ऐसा हृदयविदारक और रूह कपा देने वाला महापाप सामने आया है, जिसने ममता शब्द को शर्मसार करने के साथ ही पूरे समाग को झकझोर कर रख दिया है। एक मां के सिर पर खून और सनक का ऐसा भूत सवार हुआ कि उसने अपनी तीन मासूम और लाचार बेटियों के साथ मौत का वो खौफनाक खेल खेला, जिसे सुनकर किसी भी पत्थर दिल इंसान का कलेजा मुंह को आ जाए। अज्ञात कारणों और गहरे पारिवारिक विवाद के चलते एक मां ने पहले तो अपनी ही गृहस्थी और आशियाने को आग के हवाले किया और फिर तड़पती लपटों के बीच अपनी ही तीन नन्हीं परी जैसी बेटियों को जबरन जहरीला कीटनाशक चटाकर मौत की नींद सुला दिया। इस सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद कलसुगी मां ने खुद भी जहर गटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस एक जिद और सनक ने हंसते-खेलते पूरे परिवार को श्मशान बना दिया।



आग की लपटें देख दौड़े थे पड़ोसी

दिल दहला देने वाली इस घटना की शुरुआत दोपहर के वक्त हुई। मृतिका अनीता सिंह उम्र 32 वर्ष अपने प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान में अपनी तीन मासूम बेटियों रितिका उम्र 7 वर्ष, कृष्णकुमारी उम्र 4 वर्ष और अर्पिता उम्र 2 वर्ष के साथ अकेली थी। उसका पति पेशे से ड्राइवर है जो परिवार के पेट पालने के लिए परदेश (दूसरे राज्य) में नौकरी करने गया हुआ था। इसी सुनेपन और सनक का फायदा उठाते हुए अनीता ने घर का सारा राशन, कपड़ा और गृहस्थी का सामान एक जगह इकट्ठा किया और उसमें आग लगा दी। दोपहर में अचानक घर से धुएं का गुबार और ऊंची लपटें उठती देख पड़ोसियों के होश उड़ गए, ग्रामीण जब तक दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे, तब तक पूरा घर जलकर स्वाहा हो चुका था और कमरे के एक कोने में मां सहित तीनों मासूम बच्चियां जिंदगी और मौत के बीच बुरी तरह तड़प रही थीं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए चारों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन काल के गाल में समा चुकी दो मासूम बच्चियों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं मां अनीता और बड़ी बेटी रितिका की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई।



मां ने जबरन चटाया जहर

इस पूरी रंगटे खड़े कर देने वाली वारदात का सबसे सनसनीखेज और मार्मिक खुलासा तब हुआ, जब सबसे आखिरी में दम तोड़ने से पहले 7 साल की मासूम रितिका ने पुलिस के सामने अपनी मां के उस खौफनाक चेहरे को बेनकाब किया। रितिका ने कांपते होठों और टूटती सांसों के बीच पुलिस को आपबीती सुनाते हुए बताया कि मां ने पहले पूरे घर के सामान में आग लगाई और फिर हम तीनों बहनों को पकड़कर एक-एक करके जबरन मुंह में कड़वा कीटनाशक (जहर) चटा दिया। बताया जा रहा है कि महिला ने जिस खतरनाक कीटनाशक का इस्तेमाल किया था, वह जीभ पर रखते ही अपना जानलेवा असर दिखाता है। रितिका के इस आखिरी बयान के कुछ ही देर बाद उसकी भी आंखें हमेशा के लिए बंद हो गईं।



अपने ही खेत में एक साथ दफन हुई चार लाशें

पोस्टमार्टम के बाद जब चारों शवों को अंतिम संस्कार के लिए वापस गांव लाया गया, तो वहां का मंजर देखकर हर किसी की रूह कांप उठी। पारिवारिक परंपरा और रीति-रिवाजों के मुताबिक, मां अनीता और उसकी तीनों मासूम बेटियों को मुखाम्नि देने के बजाय घर के ही पास स्थित उनके अपने खेत में एक साथ दफनाया गया। एक ही कनार में खोदे गए चार गड्ढों में जब मां और उन तीन मासूमों को सुपुर्द-ए-खाक किया जा रहा था, तब वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें छलक पड़ीं और पूरा माहौल चीत्कारों से गूंज उठा। जिन मासूमों को कुछ दिन पहले तक ग्रामीण उसी खेत में खेलते-कूदते देखते थे, आज वे हमेशा के लिए उसी मिट्टी के नीचे दफन हो गईं।

परिवार में बना रहता था तनाव

पपौंध पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ रही है, इस खौफनाक कदम के पीछे छिपी कड़वी पारिवारिक हकीकत और महिला का उग्र स्वभाव भी सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों से पूछताछ में यह चौंकारे वाली बात सामने आई है कि अनीता बेहद गुस्सैल, अडिगल और उग्र स्वभाव की महिला थी। वह बात-बात पर अपने बूढ़े सास-ससुर से झगड़ा करती थी और अपने पति पर इस बात का लगातार दबाव बनाती थी कि वह अपने बूढ़े मां-बाप को खर्च के लिए फूटी कौड़ी भी न दे और उनसे पूरी तरह नाता तोड़ ले। इसी जिद को लेकर परिवार में भारी तनाव बना रहता था।



सबूत मिटाने के लिए
मोबाइल के किए टुकड़े

अनीता के सिर पर आत्महत्या से ठीक पहले किस कदर पागलपन सवार था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जहर खाने और आग लगाने से पहले उसने अपना खुद का मोबाइल फोन पटक-पटक कर चकनाचूर कर दिया। पुलिस को जले हुए मलबे से मोबाइल के टूटे अवशेष मिले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि मोबाइल तोड़ने के पीछे मृतिका की मंशा यह थी कि उसकी आखिरी कॉल डिटेल, मैसेज या किसी से हुआ आखिरी विवाद पुलिस के हाथ न लग सके और कोई उससे संपर्क न कर पाए।



साइबर सेल की मदद से जवाब ढूँढेगी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पपौंध थाना प्र भारी वुजेंद्र मिश्रा ने बताया कि मार्ग कायम कर मामले की हर एंगल से कड़ाई से जांच की जा रही है। मृतिका के पति को सूचना दे दी गई है, उसके आने पर विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके साथ ही, पुलिस अब महिला के टूटे हुए मोबाइल के अवशेषों को फॉरेंसिक और साइबर सेल की जांच के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। ताकि यह साफ हो सके कि इस आत्मघाती और जानलेवा कदम को उठाने से ठीक पहले उसका किससे आखिरी विवाद हुआ था। बहरहाल, इस दर्दनाक घटना ने समाज की सोच और पारिवारिक ताने-बाने पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नौतपा में मेघों की मेहरबानी, अमरकंटक बना शीतल स्वर्ग
सात दिनों में पांच दिन बरसे बादल, 31 डिग्री तापमान ने दी गर्मी से मात

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। सामान्यतः नौतपा का नाम आते ही प्रचंड गर्मी, झुलसाती धूप और तपती हवाओं की कल्पना मन में उभरती है, किंतु इस वर्ष प्रकृति ने पावन नगरी अमरकंटक पर विशेष कृपा बरसाई है। नौतपा के सातवें दिन यहां का मौसम पूरी तरह बदला हुआ दिखाई। नौतपा मात्र 31 डिग्री सेल्सियस :सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्वआई) 26 रहने से वातावरण अत्यंत स्वच्छ, निर्मल और स्वास्थ्यवर्धक बना रहा। इस वर्ष नौतपा के सात दिनों में से पांच दिन वर्षा होने से गर्मी का प्रभाव लगभग समाप्त हो गया। बीच-बीच में तेज आंधी, गरज-

चमक और वर्षा के कारण मौसम लगातार सुहावना बना रहा। नौतपा के प्रारंभिक दिनों में तापमान एक बार 39 डिग्री सेल्सियस तक अवश्य पहुंचा, लेकिन उसके बाद मौसम ने ऐसी करवट ली कि तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। बारिश और ठंडी हवाओं ने संपूर्ण अमरकंटक क्षेत्र को प्राकृतिक शीतलता से भर दिया है। सुबह और शाम की मनोहारी ठंडक लोगों को पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित कर रही है। गर्मी का एहसास लगभग समाप्त हो जाने से पर्यटक, श्रद्धालु तथा स्थानीय नागरिक राहत और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दुग्धधारा, सोनमूड़ा तथा अन्य दर्शनीय स्थलों



पर इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। बादलों की छांव, पर्वतीय हरियाली और शीतल हवाओं का संगम अमरकंटक की सुंदरता को और भी निखार रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य के इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंच रहे हैं। नौतपा के अब केवल दो दिन शेष हैं। ऐसे में लोगों की निगाहें मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई हैं। यह

देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम दिनों में तापमान बढ़ता है, स्थिर रहता है अथवा वर्षा का सिलसिला जारी रहकर मौसम को और अधिक सुहावना बना देता है। फिलहाल अमरकंटक में प्रकृति की यह मेहरबानी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रही है। भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार नौतपा के दौरान पड़ने वाली तीव्र गर्मी मैदानी क्षेत्रों में निम्न वायुदाब का क्षेत्र तैयार करती है। यही कम दबाव मानसूनी हवाओं को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जितनी अधिक गर्मी पड़ेगी, उतना ही मजबूत निम्न दबाव क्षेत्र बनेगा और मानसून की सक्रियता बेहतर होगी।

जमीन पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों से हमला

रीवा। जिले के डभौरा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद में लाठी-डंडे चल गए, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में पति, पत्नी और उनकी बेटी शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय रीवा में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पक्ष के विलेिश बंसल ने बताया कि उनका और भैयालाल बंसल के परिवार के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि विरोधी पक्ष द्वारा उनकी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी विवाद को लेकर शनिवार को फिर से तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी के अनुसार, विवादित भूमि पर कथित रूप से कब्जा किए जाने की सूचना मिलने पर कमलाकर बंसल, उनकी पत्नी और बेटी मौके पर पहुंचे तथा इसका विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने से नाराज दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में कमलाकर बंसल, उनकी पत्नी तथा बेटी घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

खराब हो रही
सड़के, प्रतिदिन
हो रहे हादसे

57 दिन से बंद है बायपास, चार बार बढ़ाई जा चुकी
है समय सीमा, शहर की सड़कों पर बढ़ा दबाव

रीवा। शहर के यातायात का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग माने जाने वाले रीवा बायपास के शुरू होने की तारीख लगातार आगे बढ़ा रही है। 4 अप्रैल से बंद पड़े बायपास को लेकर निर्माण एजेंसी केसीसी कंपनी द्वारा लगातार समय-सीमा बढ़ाई जा रही है। अब तक चार बार बाइपास चालू करने की तारीख बदली जा चुकी है। हाल ही में कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में केसीसी कंपनी के अधिकारियों ने 31 मई से बायपास पर यातायात शुरू करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद प्रशासन को उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही समस्या समाप्त हो जाएगी, लेकिन कंपनी ने एक बार फिर नई जानकारी देते हुए कहा कि बायपास को सीधे शुरू करने के बजाय पहले तीन दिन तक तकनीकी परीक्षण (टेस्टिंग) की जाएगी। इसके बाद ही यातायात बहाल करने पर निर्णय लिया जाएगा। लेकिन 31 में को शुरू होने वाले टेस्टिंग को भी प्रारंभ नहीं किया गया।

ये मार्ग हो गए खस्ताहाल

विशेष रूप से बोदा अजरगहा मार्ग की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क



जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क पर चलना जोखिम भरा हो गया है और आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाइपास बंद होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है, जबकि सड़क सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इधर माडल रोड से भारी वाहनों के दबाव के चलते सड़क की स्थिति खराब होने लगी है। दिन भर इस मार्ग में जाम लगता है। बोदा अजरगहा और आसपास के गांवों के लोगों ने का ध्यान सड़क की खराब स्थिति



की ओर आकर्षित कराया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी और प्रशासन के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा जनता भुगत रही है।

कई बार मिल चुकी तारीख

बाइपास निर्माण और मरम्मत कार्य को लेकर पहले भी कई बार समय सीमा घोषित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी

कारण से इसे आगे बढ़ा दिया गया। इससे वाहन चालकों का भरोसा भी कमजोर पड़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि कार्य पूरा नहीं हुआ था तो बार-बार तारीख घोषित करने की बजाय वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए थी।टेस्टिंग रिपोर्ट का किया जा रहा इंतजारअब प्रशासन की निगाहें अगले तीन दिनों की टेस्टिंग पर टिकी हैं। यदि परीक्षण सफल रहता है तो जून के पहले सप्ताह में बाइपास पर यातायात बहाल हो सकता है। हालांकि लगातार बढ़ती समय-सीमा और अधूरी घोषणाओं के कारण लोग अभी भी संशय में हैं। बाइपास बंद होने का सबसे बड़ा असर शहर की आंतरिक सड़कों पर दिखाई दे रहा है। भारी वाहन, ट्रक और लंबी दूरी के यात्री वाहन अब शहर के भीतर से गुजरने को मजबूर हैं। इसके कारण ट्रैफिक दबाव बढ़ गया है और कई प्रमुख मार्ग तेजी से खराब हो रहे हैं।

मालू के हमले से दो महिलाएं
घायल

अनूपपुर। रविवार की सुबह जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धनगवां के पटपरिहा टोला में दो महिलाएं जो सुबह दिशा मेदान के लिए घर से कुछ दूर खेत की ओर गईं रहीं तभी अचानक जंगल की ओर से आकर विखर कर रहा एक मालू ने दोनों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों में 35 वर्षीय गुड्डि पति गोरेलाल कोल के कस्बर में तथा 65 वर्षीय वृद्धा ललितिया पति रामबदन कोल के चेहरा, छाली एवं शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट आई है। घटना के बाद ग्रामीणों के डहलू होकर हो-हल्ला करने पर मालू जंगल की ओर चला गया। ग्राम पंचायत धनगवां सरपंच संजय गोठिया द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को फुगना अस्पताल भेजा है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक ने शीघ्र अस्पताल पहुंचकर दोनों घायलों की स्थिति को देखकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। अगवाल द्वारा उपवन मंडल अधिकारी अनूपपुर प्रकाश मनोहर राव पखाले, वन प्रक्षेत्र अधिकारी कौतमा हरीश कुमार तिवारी की घटना की जानकारी देते हुए उचित कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की है, दोनों घायलों का इयूटी डीक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर को रेफर किया है।

घर में बनी दाल खाने से
एक ही परिवार के 6
लोग बीमार, जिला
अस्पताल रेफर

छतरपुर। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बंधवार में घर में बनी चने और उड़द की दाल खाने के बाद एक ही परिवार के छह लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर पहले बड़ामलहरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर बनी चने और उड़द की दाल का सेवन किया था। इसके कुछ समय बाद सभी की तबीयत अचानक खराब होने लगी और उन्हें लगातार उल्टी-दस्त होने लगे। सूचना मिलते ही परिजन सभी को तत्काल बड़ामलहरा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पूरे दिन उनका उपचार किया गया। हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने और स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने सभी मरीजों को जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में सभी का उपचार जारी है और डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। घायलों में देशपाल सिंह बुंदेला (35), अनन्या राजा (13), राज राजा (12), गोलू राजा (10), हीरा राजा (35) एवं उमा राजा (40) निवासी ग्राम बंधवार शामिल हैं। प्रारंभिक तौर पर मामला फूड पॉइजनिंग का माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

1997 में जिस समंदर ने भारत को सूखे से बचाया था, 2026 में वो है खामोश

भारत में मानसून को लेकर इस साल नई चिंता सामने आई है। वैज्ञानिकों ने भी चेतावनी जारी कर दी है कि इस साल भारत के मानसून पर अल नीनो का सबसे खतरनाक असर दिख रहा है। जब भी अल नीनो आता है, भारत के लिए परेशानी का कारण बनता है।

नई दिल्ली। अगर अल नीनो का असर भारत पर पड़ता है, तो सीखे की स्थिति बढ़ सकती है। लेकिन, इस बार स्थिति थोड़ा अलग है। साल 2026 में आने वाले अल नीनो को लेकर ही चिंता नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी टेंशन है हिंद महासागर का खामोश बैठना।

आमतौर पर जब भी प्रशांत महासागर में अल नीनो एक्टिव होता है, तो भारत में सूखा पड़ने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। लेकिन, साल 1997 में इतिहास का सबसे खतरनाक अल नीनो आने के बाद भी भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई थी। ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि हमारे अपने हिंद महासागर ने ढाल बनकर मानसून बचाया था। लेकिन, इस बार कहानी पूरी तरह से अलग है। डेटा बता रहा है कि 2026 में हिंद महासागर पूरी तरह शांत बैठेा है, जिससे भारत के पास अल नीनो से लड़ने का कोई बैकअप प्लान नहीं बचा है।

रोचक खबरें



भारत में अनोखा पानी में तैरने वाला चर्च, हर 6 महीने में बदलता है रंग

बेंगलुरु। कर्नाटक की हरी-भरी वादियों के बीच एक ऐसी रहस्यमयी जगह मौजूद है, जिसे देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यह है शेड्रीहल्ली रोजरी चर्च, जो हर मानसून में पानी के बीच अकेला खड़ा दिखाई देता है। चारों तरफ फैला गहरा पानी, टूटी हुई पुरानी दीवारें और सन्नाटे से भरा माहौल इस जगह को किसी हॉलीवुड हॉरर फिल्म जैसा बना देता है। यही वजह है कि लोग इसे फ्लोटिंग चर्च और कर्नाटक का हॉन्टेड चर्च तक कहने लगे हैं। हालांकि, इस चर्च की असली पहचान इसकी डरावनी कहानियों में नहीं, बल्कि इसके शानदार इतिहास और अनोखी खूबसूरती में छिपी है।

इस चर्च का निर्माण 1860 के दशक में फ्रांसीसी मिशनरियों ने करवाया था। उस समय यह चर्च इलाके में रहने वाले ब्रिटिश एस्टेट मालिकों और स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए प्रार्थना का मुख्य केंद्र हुआ करता था। फ्रेंच गोथिक शैली में बने इस चर्च की ऊंची मेरबाब, पत्थरों पर की गई नक्काशी और बड़ी-बड़ी खिड़कियां इसकी भव्यता को अलग पहचान देती थीं। हेमावती नदी के किनारे बना यह चर्च कभी लोगों की प्रार्थनाओं और धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहता था। लेकिन, 1960 के दशक में इसकी किस्मत पूरी तरह बदल गई। हेमावती बांध बनने के बाद आसपास का इलाका धीरे-धीरे जलाशय में बदलने लगा। पानी का स्तर बढ़ने से गांव खाली कराए गए और लोगों को दूसरी जगह बसना पड़ा। इसी के साथ यह चर्च भी वीरान हो गया। समय के साथ इसकी छत गिर गई, दीवारें टूटने लगीं, लेकिन इसके विशाल खंभे और मेहराब आज भी मजबूती से खड़े हैं। मानसून के मौसम में यह चर्च आधा पानी में डूब जाता है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो कोई पुरानी इमारत झील के ऊपर तैर रही हो। वहीं सदियों में पानी कम होने पर लोग पैदल यहां तक पहुंच सकते हैं।

दुनिया का अनोखा आइलैंड, जहां है सुअरों का राज! समुद्र में टूरिस्ट के साथ लगाते हैं गोते



नासाउ। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी अनोखी खासियतों की वजह से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक जगह बहामास के एकजुमा इलाके में मौजूद पिग आइलैंड है, जहां इंसानों से ज्यादा सुअर रहते हैं। इस द्वीप की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां के सुअर समुद्र में तैरते नजर आते हैं। यही वजह है कि दुनियाभर से हजारों टूरिस्ट सिर्फ इन स्विमिंग पिग्स को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। नीले समंदर के बीच बसे इस छोटे से आइलैंड पर सुअरों की बड़ी आबादी रहती है। पर्यटक नावों के जरिए यहां पहुंचते हैं और सुअरों के साथ पानी में उतरकर तस्वीरें खिंचवाते हैं। कई लोग इन्हें खाना खिलाते हैं, जबकि कुछ टूरिस्ट मस्ती-मजाक में इन्हें ड्रिंक्स तक ऑफर करते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर इस जगह के वीडियो और तस्वीरें अक्सर वायरल होते रहते हैं। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस निर्जन आइलैंड पर इतने सारे सुअर आए कहां से? इसे लेकर कई कहानियां मशहूर हैं। एक कहानी के अनुसार, सालों पहले कुछ नाविक लंबी समुद्री यात्रा पर निकले थे। उन्होंने रास्ते में खाने के लिए सुअरों को इस द्वीप पर छोड़ दिया था, ताकि लौटने पर उनका इस्तेमाल कर सकें। लेकिन, वे नाविक कभी वापस नहीं आए और सुअर यहीं बस गए।वहीं, दूसरी कहानी यह बताती है कि कई दशक पहले इस इलाके के पास एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस जहाज से कुछ सुअर बचकर तैरते हुए इस द्वीप तक पहुंच गए। बाद में प्रजनन के कारण इनकी संख्या तेजी से बढ़ती चली गई और पूरा आइलैंड इनका घर बन गया। टूरिस्टों के लिए यह जगह किसी रोमांच से कम नहीं है। समुद्र में तैरते सुअरों को देखना लोगों के लिए बेहद अनोखा अनुभव माना जाता है। लेकिन, दूसरी तरफ एनिमल एक्सपर्ट्स इस ट्रेंड को लेकर चिंता भी जता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार इंसानी संपर्क और गलत खानपान इन जानवरों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। कई बार टूरिस्ट बोट्स से सुअरों को चोट भी लग जाती है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया कि यहां सात सुअरों की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि उन्होंने बड़ी मात्रा में रेत निगल ली थी, जिसकी वजह से उनकी जान चली गई। इसके अलावा तेज धूप और गर्म रेत भी इनके स्वास्थ्य पर असर डालती है।

सावधानी बरतने की जरूरत

हालांकि, ये सुअर अब इंसानों के बीच काफी सहज नजर आते हैं, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि वे पूरी तरह जंगली हैं। पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब कुछ सुअरों ने पर्यटकों को काट लिया था। ऐसे में यह आइलैंड जितना खूबसूरत और अनोखा दिखता है, उतना ही सावधानी की भी मांग करता है।

अल नीनो के खतरे ने बढ़ाई आईएमडी की टेंशन

क्या है अल नीनो

प्रशांत महासागर में जब भी पूरब से पश्चिम चलने वाली हवाएं कमजोर होती हैं, तो समुद्र का गर्म पानी दक्षिण अमेरिका के तटों की ओर जमा होने लगता है। पानी के इस तरह गर्म होने की घटना को अल नीनो कहते हैं। इसका सीधा असर भारत के मानसून पर पड़ता है। मानसून का नियम है, जब गर्मियों में भारत की जमीन तपती है, तो हिंद महासागर से नमी वाली ठंडी हवाएं खिंची चली आती हैं और बारिश होती है। लेकिन, अल नीनो इस पूरे सिस्टम को खराब करने का काम करता है। अल नीनो बादलों और नमी को भारत से दूर प्रशांत महासागर की ओर खींच लेता है, जिससे भारत में बारिश कम होती है। आंकड़ों के अनुसार 1951 से 2022 के बीच 60% अल नीनो वाले सालों में भारत में सूखा या कम बारिश हुई है।



हिंद महासागर बना था ढाल

जब अल नीनो मानसून को कमजोर करने की कोशिश करता है, तो हिंद महासागर एक्टिव हो जाता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में इंडियन ओशन डाइपोल कहा जाता है। इसमें अप्रगीका के पास का समंदर गर्म हो जाता है और इंडोनेशिया के पास का पानी ठंडा रहता है। यह स्थिति दो प्रकार की होती है। पॉजिटिव आईओडी और नेगेटिव आईओडी।

पॉजिटिव आईओडी

यह स्थिति भारत के लिए एक वरदान की तरह काम करती है, क्योंकि यह मानसून की हवाओं को दोगुनी ताकत से भारत की ओर धकेलता है। 1997 में इसी पॉजिटिव आईओडी ने अल नीनो के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया था।

किसानों की बह सकती है गुसीबत

सितंबर के महीने में अल नीनो का असर सबसे खतरनाक होगा। यह वही महीना है जब किसानों की फसल धान, दालें, कपास और तिलहन पकने की कगार पर होती है। वैज्ञानिक इसे वेन-फिलिंग स्टेज कहते हैं, जिसमें पौधों के दानों में न्यूट्रिएंट्स भरते हैं। इस समय फसलों को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है। अगर सितंबर में बारिश रुकी, तो पूरी की पूरी तैयार फसल बर्बाद हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए आईएमडी ने मानसून का अनुमान घटाकर 90% कर दिया है, जो सामान्य से कम की श्रेणी में आता है। इस साल सूखा पड़ने की आशंका 60% तक बढ़ गई है, जो आम सालों में महज 16% होती है।

ब्रह्मांड के इस कोने में छिपा है विशालकाय ब्लैक होल! तारों के साथ कर रहा लुका-छिपी

हमारा ब्रह्मांड अपने भीतर कई राज छिपाए हुए हैं। दुनियाभर के वैज्ञानिक आए दिन इसमें कुछ न कुछ नया खोजते रहते हैं। हाल ही में एस्ट्रोनॉमर्स ने ब्रह्मांड के पास सबसे ज्यादा स्टडी की गई गैलक्सी मर्जर्स में से एक, एंटेना गैलक्सी के अंदर पहले से छिपे एक विशालकाय ब्लैक होल के सबूत का पता लगाया है।

वॉशिंगटन। रिसर्च के निष्कर्षों से पता चलता है कि मर्ज हो रही गैलक्सी एनजीसी 4039 के अंदर एक घनी ऊर्जा पैदा करने वाला ब्लैक होल हो सकता है, जो इंटेस स्टार फॉर्मेशन एक्टिविटी के चलते छिपा हुआ है।

इस छोटी सी हलचल ने खोला राज



छिपा हो सकता है ब्लैक होल

गैलक्सी मर्जर गैस को गैलक्टिक सेंटर्स तक चैनल कर सकती है, जिससे सुपरमैसिव ब्लैक होल को ऊर्जा मिलती है और वे एक्टिव गैलक्सी न्यूक्लाई में परिवर्तित हो जाते हैं। हालांकि, एंटेना गैलक्सी में अबतक स्टार विस्फोट की एक्टिविटी हावी दिखाई दी है और इस बात के बेहद कम प्रमाण मिले हैं कि कोई भी सेंट्रल ब्लैक होल एक्टिवली मैटर को इकट्ठा कर रहा था। आगे की जांच के लिए जापान के 'कोगाकुइन यूनिवर्सिटी' के शिन्थी कामुगी के नेतृत्व में एक टीम ने 100 जीएचजेड पर इस सिस्टम का ऑब्जर्वेशन करने के लिए अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर एरे का इस्तेमाल किया। एक बेवसाइड के मुताबिक, रिसर्चर्स ने लगभग ढाई महीनों में 52 बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज की।

52

बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज



ध्यान क्यों आकर्षित कर रहा है सोर्स एस4?

इस स्टडी में एनजीएस 4039 के सेंटर के पास एस 3 और एस 4 नाम के 2 सोर्स पर फोकस किया गया। एस 3 असामान्य रूप से चमकीला दिखा, लेकिन इसमें कोई अहम बदलाव नहीं दिखा। यह एक युवा, विशाल तारा समूह से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, एस 4 ने केवल 13 दिनों में चमक में बदलाव किया। तेजी से हुए इस बदलाव के चलते एमिटिंग एरिया 13 लाइट डेज से भी कम या तकरीबन 0.01 पारसेक के आकार तक सीमित हो जाता है। रिसर्चर्स के मुताबिक, यह क्षेत्र इतना घना है कि इसे स्टार फॉर्मेशन एरिया, सुपरनोवा रिमेनिंग या डस्ट क्लाउड्स के रूप में समझना संभव नहीं है। इसके बदले, आकार की यह सीमा

सूत्र की डेंसिटी से तकरीबन 10 मिलियन गुना अधिक डेंसिटी वाले एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मुताबिक है। ये रिजल्ट अबतक के सबसे मजबूत संकेत देते हैं कि एंटेना गैलक्सी के अंदर छिपा हुआ एक्टिव ब्लैक होल मौजूद हो सकता है।

बर्थडे से एक दिन पहले हुई मौत!

113 साल तक जिंदा रहा शख्स, लोगों को बताता था लंबी उम्र का सीक्रेट

बुखारेस्ट। यूरोप के सबसे उम्रदराज व्यक्ति इलिए सियोकान का 113वें जन्मदिन से महज एक दिन पहले निधन हो गया। 28 मई को उनका 113वां जन्मदिन होना था, लेकिन 27 मई को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी मौत की खबर सुनकर यूरोप में शोक की लहर दौड़ गई। इलिए ना सिर्फ यूरोप के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे, बल्कि दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित व्यक्ति भी थे।

इलिए सियोकान का जन्म 28 मई 1913 को रोमानिया के क्रेमेनारी गांव में हुआ था। मात्र 12 साल की उम्र में उन्होंने माता-पिता को खो दिया। इसके बाद उन्होंने गाय चराकर परिवार का पेट पाला। बड़े भाई अलियन ने परिवार की मुख्य जिम्मेदारी संभाली। जीवन की शुरुआत संघर्ष से हुई, लेकिन इलिए ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध भी देखा और कई ऐतिहासिक घटनाओं के गवाह बने।

लंबी उम्र के वैज्ञानिक कारण

वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबी उम्र के पीछे आनुवंशिक कारण, स्वस्थ भोजन, सक्रिय जीवनशैली और सकारात्मक मानसिकता होती है। इलिए का केस भी इसी को प्रमाणित करता है। उन्होंने कभी सिगरेट या शराब नहीं छुई और सादा जीवन जिया।



113 साल की उम्र में भी रहे सक्रिय

इलिए 100 साल पार करने के बाद भी काफी सक्रिय रहते थे। वे गांव के लोगों से मिलते, सलाह देते और अपनी कहानियां सुनाते थे। उनके अनुसार, 'जिंदगी में गुस्सा मत करो, मेहनत करो और ईश्वर पर भरोसा रखो।' उनकी ये सीख आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। दुनिया के कई देशों से उनके निधन पर शोक व्यक्त किया जा रहा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और अन्य संगठनों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। वे दुनिया के सबसे उम्रदराज लोगों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर थे। अब उनके बाद नया नाम इस लिस्ट में शामिल होगा। रोमानिया सरकार ने इलिए को कई बार सम्मानित किया था। वे अपने गांव में लोकप्रिय थे। गांव वाले उन्हें प्यार से 'दादाजी' कहकर बुलाते थे।

सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब

इलिए लंबी उम्र का राज बताने के लिए मशहूर थे। कई लोग उनसे मिलने आते थे और उनकी लाइफ के अनुभव सुनते थे। उन्होंने कहा था कि लंबी जिंदगी का राज सादगी, मेहनत, सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब रहने में है। वे रोजाना हल्का व्यायाम करते थे, मौसमी भोजन खाते थे और कभी तनाव नहीं लेते थे। उनकी ये बातें सोशल मीडिया और समाचारों में खूब चर्चित रहती थीं। उनकी मौत पर रोमानिया और पूरे यूरोप में मानस का माहौल है। राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख नेताओं ने शोक संदेश दिया है। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध का अंतिम वयोवृद्ध भी माना जाता था। उनकी जिंदगी 20वीं सदी के लगभग पूरे इतिहास को समेटे हुए थी।

नाइजीरिया में मचा हंगामा

पढ़ने-खेलने की उम्र में बना दमदार पॉलिटिशियन

अबुजा। राजनीति में अक्सर बड़े-बड़े वादे, तीखे भाषण और विवाद सुर्खियां बटोरते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसे चोका देने वाले मामले सामने आ जाते हैं जो पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर देते हैं। सोचिए, अगर कोई शख्स अपनी उम्र छोड़कर चुनावी मैदान में उतर जाए और खुद को बड़ा नेता साबित करने की कोशिश करे, तो क्या होगा? ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला नाइजीरिया से सामने आया, जिसमें लोगों को दंग कर दिया। यह कहानी है महमूद सादिस बाबा की, जिन्हें लोग 'अबीन अल-जाजी के नाम से भी जानते हैं। वह नाइजीरिया की सत्ताधारी पार्टी ऑल प्रोग्रेसिव कांग्रेस से जुड़े थे और अपनी लोकप्रियता के कारण द वंडर ऑफ जारिया कहे जाते थे। अचानक उनकी चर्चा तब तेज हो गई, जब चुनावी स्ट्राटेजिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में उनका कद-काठी और चेहरा किसी बच्चे जैसा नजर आ रहा था, लेकिन आत्मविश्वास किसी अनुभवी नेता जैसा था।

उम्र की लेकर उठे सवाल - जब उनसे उनकी उम्र को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने दावा किया कि वह 30 साल के हैं। उन्होंने अपनी छोटी कद-काठी और मासूम दिखने वाली शक्ल की वजह इवाफिज्म यानी बेवजह को बताया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और राजनीति में आने से पहले ड्राइवर की रूप में काम कर चुके हैं। उनके आत्मविश्वास ने कई लोगों को प्रभावित भी किया।



महमूद ने अंततः पीछे हटने का फैसला किया

विवाद बढ़ने पर महमूद ने भी अंततः पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को एक भावुक पत्र लिखकर चुनावी दौड़ से हटने की घोषणा कर दी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। इस तरह एक ऐसे युवक का सपना अधूरा रह गया, जो खुद को देश की राजनीति में स्थापित करना चाहता था। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर दिखा दिया कि राजनीति में सच कितनी जल्दी सामने आ सकता है, और झूठ ज्यादा देर तक छुपा नहीं सकता।

सोशल मीडिया पर सामने आने लगे दस्तावेज

लेकिन, यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर उनके दस्तावेज सामने आने लगे, जिन्होंने पूरे मामले की सच्चाई उजागर कर दी। पापटोव, नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर, जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार, महमूद का जन्म 1995 नहीं, बल्कि 2010 में हुआ था। यानी उनकी असली उम्र महज 15 या 16 साल थी, जो चुनाव लड़ने की न्यूनतम कानूनी उम्र से काफी कम है। शुरुआत में उनकी पार्टी एपीसी ने इन आरोपों को सिर से खारिज कर दिया और इसे साजिश बताया। लेकिन, जैसे-जैसे पुष्टा सबूत सामने आते गए, पार्टी की स्थिति कमजोर पड़ती गई। आखिरकार सच सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें चुनाव के लिए अनैथान घोषित कर दिया।

पोर्ट मोरेस्बी। दुनिया में जहरीले जीवों की बात हो तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले सांप, मकड़ी या बिच्छू का नाम आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा पक्षी भी मौजूद है, जिसे छूना इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है? इस अनोखे और बेहद जहरीले पक्षी का नाम है हूडेड पिटोहुई। यह पक्षी मुख्य रूप से न्यू गिनी के जंगलों में पाया जाता है और इसे दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है।

इस पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जेक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में

फीलड व कं

कर रहे थे, तभी उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही देर बाद उन्हें अपने हाथों, आंखों और मुंह में तेज जलन, झुनझुनी और सुनूपन महसूस होने लगा। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि इस पक्षी की त्वचा और पंख जहरीले होते हैं।

लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं

इस पक्षी के चमकीले काले और नारंगी रंग भी खास मकसद पूरा करते हैं। इसे अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, यानी ऐसा रंग जो दूसरे जीवों को चेतावनी देता है कि यह खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि न्यू गिनी के स्थानीय लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं। वहां के लोग इसे रबिष बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं, जो आत्मरक्षा के लिए जहर का इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि हूडेड पिटोहुई आज भी वैज्ञानिकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए रहस्य और हैरानी का विषय बना हुआ है।

■ देखते ही दूर भागने लगते हैं इंसान

रिसर्च में हुआ खुलासा

साल 1992 में प्रकाशित एक रिसर्च में डंबाचर और उनकी टीम ने खुलासा किया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटॉक्सिन नाम का खतरनाक जहर पाया जाता है। यही जहर कुछ बेहद जहरीले मंदकों में भी मिलता है। यह टॉक्सिन पक्षी को शिकारियों और परजीवियों से बचाने में मदद करता है। अगर कोई शिकारी इसे खाने की कोशिश करे, तो उसे गंभीर नुकसान हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पक्षी खुद अपने शरीर में जहर नहीं बनाता, वैज्ञानिकों के अनुसार, हूडेड पिटोहुई अपनी डाइट से यह जहर हासिल करता है। यह मैलरिड बीटल्स नाम के जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें बैट्राकोटॉक्सिन मौजूद होता है। बाद में यही जहर पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है।





लाइफ Style

शेखर ने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की जताई मंशा

नई दिल्ली। दिग्गज फिल्ममेकर शेखर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'मासूम: द न्यू जेनरेशन' को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई कि इस फिल्म में दिग्गज संगीतकार एआर रहमान संगीत देंगे। अब शेखर कपूर ने युवा क्रिकेटर और नई सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की

भी मंशा जताई। शेखर कपूर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के फैन बन गए। शेखर कपूर ने आज अपने एक्स अकाउंट पर वैभव सूर्यवंशी की एक तस्वीर साझा की। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'अगर सूर्यवंशी इतने शानदार क्रिकेटर न होते, तो मैं उन्हें अपनी फिल्म 'मासूम: द न्यू जेनरेशन' में ले सकता था।'

राशा

लाल कपड़ों में दिलाई मां रवीना की याद

एजेन्सी ► मुंबई

इस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ नजर आएंगी। हाल ही में हैदराबाद में इस फिल्म का एक इंटीडक्शन इवेंट हुआ। इसमें दोनों कलाकारों का परिचय कराया गया। इस इवेंट से राशा थडानी का लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने उनकी तुलना उनकी मां रवीना टंडन से की है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया 'ऐसा क्यों लगता है कि हम रवीना टंडन को देख रहे हैं?' वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राशा थडानी लोगों के बीच से उठकर स्टेज पर आती हैं। इसके बाद अपने साथी कलाकार जय कृष्णा घट्टामनेनी को केक खिलाती हैं। आपको बता दें कि यह इंटीडक्शन इवेंट सुपरस्टार कृष्णा की जयंती के मौके पर आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, जय कृष्णा अपने दादा के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा 'मेरे लिए, मेरे दादा भगवान के समान हैं। उनके लिए मेरे दिल में जो प्यार और सम्मान है, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।' राशा थडानी, जो इस फिल्म के साथ टॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं, उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया।



हॉलीवुड मसाला

अमेरिकी अभिनेत्री मिका से तुलना

मुंबई। महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैस तो 'ऑफ कैप्स' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैप्स' में ऐली हेस का किरदार निभाती है। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती है।



स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे के बाद रिटायर होंगे टॉम?

लॉस एंजिल्स। अभिनेता टॉम हॉलैंड अपनी फिल्म 'स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे' के बाद पीटर पार्कर के किरदार से रिटायर हो सकते हैं। उन्होंने हाल में हुई एक बातचीत में कहा कि वह अब किसी नए अभिनेता के लिए पीटर पार्कर का रास्ता खोलना चाहते हैं। अभिनेता टॉम हॉलैंड स्पाइडर मैन सीरीज की चार फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। मगर हाल ही में एमपायर मैगजीन से हुई बातचीत में उन्होंने कहा, 'अगला किरदार चाहे माइल्स मोरालेस हो, स्पाइडर-मैन हो, स्पाइडर-वुमन हो या ऐसा ही कोई और, मैं उसके अगले अध्याय की नींव रखने में अपना योगदान देना चाहूंगा। मैं नहीं जानता कि किस तरह मैं इसमें शामिल रहूंगा। मगर स्पाइडर मैन के किरदार को किसी और को सौंपने के बारे में सोच रहा हूँ।'



काँकटेल-2 के सेट से बीटीएस तस्वीरें' जारी...

मुंबई। काँकटेल 2 में रश्मिका मंदाना पहली बार कृति सेनन और शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म काँकटेल 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले शाहिद कपूर ने काँकटेल 2 की कुछ बीटीएस तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर कर फैस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। एक्टर शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में एक फोटो काँकटेल 2 की शूटिंग के दौरान की दिखाई दी। इस फोटो को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन लिखा- 'व्हाट ए फन!' इसके अलावा भी उन्होंने कुछ और फिल्म से जुड़ी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में कृति और रश्मिका भी नजर आईं। इसके अलावा शाहिद ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट शूटिंग के बीच के समय में इंजॉए करते नजर आ रहे हैं।



एसवीसी-63 से सामने आई पहली झलक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जो कि एसवीसी63 के सेट से बताई जा रही है। इस तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। सलमान खान ने हाल ही में निर्देशक वामशी पेंडिपल्ली की फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इस फिल्म को अस्थायी तौर पर एसवीसी63 कहा जा रहा है। सलमान खान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसे उनकी आगामी फिल्म एसवीसी 63 के सेट की तस्वीर बताया जा रहा है। इस तस्वीर में सलमान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सलमान के चेहरे पर साफ गुस्सा नजर आ रहा है, उनके आस-पास कई लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

टीवी मसाला



कोई भी किसी और को राम के रूप में नहीं देखना चाहता: अरुण

नई दिल्ली। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशक नितेश तिवारी हैं। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम का मुख्य किरदार निभा रहे हैं। साईं पल्लवी सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट में एक खास बात यह है कि इसमें दिग्गज एक्टर अरुण गोविल को भी कास्ट किया गया है। अरुण गोविल टीवी सीरीज 'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए मशहूर हैं। इस फिल्म में, गोविल भगवान राम के पिता, राजा दशरथ का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ की है। एक बातचीत में अरुण गोविल ने रणबीर के बारे में यह साफ किया कि उन्हें इस एक्टर की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'राम के तौर पर, मैं उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता पाऊंगा, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। इसमें कोई शक नहीं है। वह एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हर एक्टर हर किरदार को अपने ही अंदाज में निभाता है। उन्होंने भी भगवान राम का किरदार अपने ही अનોखे अंदाज में निभाया होगा।' जब फिल्म 'रामायण' का पहला लुक रिलीज हुआ था, तब कई लोगों ने रणबीर कपूर के लुक की आलोचना की थी। इस बारे में अरुण गोविल से पूछा गया। इस पर उन्होंने बताया 'शायद इसकी एक वजह यह भी है कि भगवान राम के रूप में मेरा अभिनय ही एक पैमाना बन गया था। यह आज भी लोगों के दिलों और दिमागों में जिंदा है। कोई भी किसी और को राम के रूप में देखना नहीं चाहता।

‘नाटक के बीच में रोते बच्चे को संभाला’

नई दिल्ली। टीवी और फिल्मों के अलावा अभिनेता स्वप्निल जोशी थिएटर भी सक्रिय हैं। स्वप्निल जोशी 'लगना पंचमी' नाम का नाटक थिएटर में करते हैं। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक आते हैं। हाल ही में जब वह यह नाटक कर रहे थे तो अचानक शो में एक बच्चा रोने लगा। इस वजह से नाटक में खलल पड़ गया। ऐसे में गुस्सा होने की बजाय स्वप्निल जोशी ने मजेदार रिएक्शन दिया। स्वप्निल जोशी के नाटक के बीच में एक छोटा बच्चा रोने लगा। ऐसे में उन्होंने अपनी पर्फार्मेंस को रोक दिया और प्यार से कहा, 'माफ कीजिए क्या आप बच्चे को बाहर ले जा सकते हैं?' दर्शकों ने भी जवाब में माफ़ी मांगी। तब स्वप्निल ने जवाब दिया, 'कोई विकल्प नहीं है, बस बात यह है कि सबका ध्यान भग हो रहा है।' स्वप्निल जोशी बोल ही रहे थे कि बच्चा फिर से रोने लगा। तब स्वप्निल जोशी ने कहा, 'प्यारे छोटे बच्चे तुम्हें भी नाटक देखन पसंद है, है ना?'



‘डोला रे डोला’ गाने की शूटिंग के दौरान मेरी तबीयत खराब थी : माधुरी

मुंबई। माधुरी दीक्षित को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि शाहरुख खान की 2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्म देवदास के 'डोला रे डोला' गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। अब इन चर्चाओं और अटकलों पर खुद माधुरी दीक्षित ने प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। एक बातचीत में माधुरी दीक्षित ने अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने बेटे की जन्म की तारीख भी बताई। माधुरी ने कहा, 'आरिन का जन्म 2003 में हुआ था। आप हिसाब लगा लीजिए। माधुरी दीक्षित के बड़े बेटे आरिन अब 23 साल के हैं और उनका जन्म 17 मार्च 2003 को हुआ था। फिल्म देवदास 12 जुलाई 2002 को रिलीज हुई थी, इससे पहले इसका प्रीमियर 23 मई 2002 को काज फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हालांकि, माधुरी ने स्पष्ट किया कि शूटिंग शारीरिक रूप से काफी चकले वाली थी, लेकिन इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैं बहुत ट्रेवल कर रही थी, इसलिए मेरी



तबीयत थोड़ी खराब थी। मैं लगातार शूटिंग के लिए इधर-उधर जा रही थी। मेरी सारी शूटिंग रात में होती थी। इसलिए मेरे लिए यह बहुत थकने वाला था। मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन कुछ खास नहीं था। माधुरी की ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब कुछ दिन पहले दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान की पूर्व असिस्टेंट रुबीना खान के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि

गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी प्रेग्नेंट थीं। रुबीना ने 'डोला रे डोला' गाने के बारे में बात करते हुए कहा था, 'इसमें एक स्टेप है जिसमें माधुरी मेम घूमकर बैठती हैं। वह शॉट सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक चलता रहा, क्योंकि वह चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। इसलिए वह ठीक से घूम नहीं पा रही थीं और उन्हें चक्कर आ रहे थे। उस समय उन्हें बुखार भी था।



36 साल खुद को कमरे में रखा बंद, जिया सात्विक जीवन

सुचित्रा : इंदिरा की कुर्सी के लिए बन गई थीं खतरा!

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में ऐसे तो कई दमदार और उम्दा हीरोइनें रही हैं, जिन्होंने बुनियाभर में देश का नाम रोशन किया और सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। पर एक हीरोइन ऐसी रही, जिसे 'पर्व की देवी' का दर्जा मिला हुआ था। इस एक्ट्रेस को महानायिका कहा जाता था। संचािव कुमार से लेकर धर्मेद और उत्तम कुमार तक इस एक्ट्रेस के फैन थे। यह थी सुचित्रा सेन, जिन्होंने दशकों तक फिल्मी पर्व के साथ लोगों के दिलों पर राज किया और कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। पर सुचित्रा सेन की जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ, जिसके कारण वह लोगों की नजरों से छुपने लगीं थीं। हालात ऐसे हो गए थे कि उन्होंने 36 साल का खुद को कमरे में बंद कर लिया। यहां तक कि जब सुचित्रा सेन को दादासाहेब फाल्के सम्मान दिया जाना था, तो वह उस लेने के लिए भी बाहर नहीं निकलीं थीं। सुचित्रा सेन एक ऐसे एक्ट्रेस रहीं, जिन्होंने इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए भी खतरा पैदा कर दिया था या यूं कहें कि वह इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए खतरा बन गईं थीं।



असली नाम और परिवार दंगे हुए तो भागना पड़ा

सुचित्रा सेन ब्रिटिश भारत के बंगाल के बेलकुची थाना स्थित भंगा बारी गांव में पैदा हुईं थीं। वह पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं और असली नाम था रोमा दासगुप्ता। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद रोमा फिर सुचित्रा सेन बन गईं थीं। साल 1947 में जब भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो दंगे-फसाद होने लगे। उसमें पिता ने किसी तरह खुद की और परिवार की जान बचाई और बंगाल आकर बस गए। यहां आने के बाद पिता ने सुचित्रा सेन की शादी एक रईस बिजनेसमैन आदिनाथ सेन के बेटे दीनानाथ सेन से करवा दी। तब सुचित्रा सेन 16 साल की थीं।

पिता ने 16 की उम्र में करवा दी शादी

सुचित्रा सेन की पढ़ाई बीच में छूट चुकी थी, पर उन्हें गाने और एक्टिंग का बहुत शौक था। ऐसे में पति और ससुर ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया। पति के सपोर्ट से सुचित्रा सेन ने साल 1952 में अपने एक्टिंग कैरियर की शुरुआत की। शुरुआत बंगाली फिल्मों से की थी, और फिर धीरे-धीरे हिंदी फिल्मों में भी आ गईं। सुचित्रा सेन की पहली फिल्म 'शेष कोश' थी, जो एक बंगाली फिल्म थी, पर कभी रिलीज नहीं हो सकी।

इंदिरा गांधी ने पैना करवा दी आंखें

साल 1955 में सुचित्रा सेन ने फिल्म देवदाससे बॉलीवुड में कदम रखा। इसमें दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला भी थीं। फिल्म सुपरहिट रही। फिर तो 60 से लेकर 70 के दशक तक सुचित्रा सेन का ही जलवा रहा। हालांकि, साल 1974 में आई फिल्म 'आंधी' ने एक विवाद खड़ा कर दिया। इस फिल्म में सुचित्रा सेन ने आरती देवी नाम का किरदार निभाया था। कहा गया है कि यह किरदार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से प्रेरित है और कांग्रेस पार्टी की छवि भी खराब कर सकता है। जबकि यह किरदार उनसे प्रेरित नहीं था। पर इंदिरा गांधी ने 'आंधी' की रिलीज रोकवा दी। फिर साल 1975 में जब इमरजेंसी लगी, तो 'आंधी' को इंदिरा गांधी ने बैन करवा दिया। इसके बाद तो हर तरफ 'आंधी' की ही चर्चा होने लगी। हालांकि, साल 1977 में जब कांग्रेस पार्टी हार गई और जनता पार्टी सत्ता में आई तो 'आंधी' को टीवी पर प्रीमियर किया था। तब इस फिल्म की हर किस्म ने तारीफ की।

सुचित्रा सेन की हिट फिल्में

देवदास, मुद्राफिर, बंबई का बाबू, ममता, सरहद, आंधी, शारे चोतोर, सप्तपदी, सात पाके बांधा, दीप ज्वेलें जय, अगिनपरीक्षा, उत्तर फाल्गुनी।

अवॉर्ड और सम्मान

सुचित्रा सेन इंटरनेशनल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस हैं और उन्हें सिल्वर प्राइज मिला था। मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सुचित्रा को सात पाके बांधा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

1953 से मिला स्टारडम

उत्तम कुमार संग 30 फिल्में फिर साल 1953 में सुचित्रा ने 'शारे चोतोर' में काम किया, जो सुपरहिट रही। इसमें सुचित्रा सेन की उत्तम कुमार के साथ जोड़ी थी। देखते ही देखते सुचित्रा सेन और उत्तम कुमार की जोड़ी हिट हो गई। करीब दो दशक तक उन्होंने लगभग हर फिल्म में साथ काम किया और वो हिट रहीं। सुचित्रा सेन ने अपने कैरियर में 60 फिल्में कीं, जिनमें से 30 में वह उत्तम कुमार के साथ नजर आईं।



सफाई व्यवस्था तेज गति पर, स्वच्छ सर्वेक्षण में रैंकिंग बेहतर करने नगर निगम का पूरा अमला मैदान में जुटा

स्वच्छता फीडबैक में जबलपुर अत्वल : महापौर

जल संकट से मारी राहत, पाइप लाइन, टैंकर, बोरिंग और कनेक्शन का विस्तार कार्य प्रगति पर

मंगलवार को मुख्यालय सहित सभी संभागीय कार्यालयों में जनसुनवाई के साथ होगी जल सुनवाई

नाले के ऊपर बने अवैध 18 निर्माणों को तोड़कर वर्षाजल निकासी की कराई गयी है सुगम व्यवस्था

वर्षाजल निकासी की व्यवस्था सुगम कर जलप्लावन से नागरिकों को राहत दिलाने बड़ी तादाद में मशीनें

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” ने पत्रकारवार्ता के दौरान बताया कि स्वच्छता फीडबैक के मामले में जबलपुर ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम का पूरा अमला मैदानी स्तर पर पूरी तत्परता से जुटा हुआ है। महापौर ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि नगर निगम जबलपुर के 16 संभाग के अंतर्गत 79 वार्ड हैं, समस्त वार्डों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण एवं परिवहन किया जा रहा है, सफाई कार्य हेतु प्रतिवार्ड औसतन 40 सफाई कर्मी निर्धारित हैं, डोर टू डोर में कार्यरत सफाई श्रमिक हेल्पर की संख्या 526 है एवं मॉनिटरिंग हेतु 39 कुशल कर्मचारी लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में सहायक आयुक्त 1, सहायक यंत्री 1, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी 4, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक 15, स्वच्छता निरीक्षक 16, वार्ड सुपरवाइजर 79, सहायक वार्ड सुपरवाइजर 30, सफाई संरक्षक नियमित, सॉविदा 793, एवं हाउटसींस के माध्यम से 3919 सफाई संरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम के पास सफाई कार्यों के लिए 400 टिपर वाहन, 20 जेसेबी, 23 हिटाची मशीन, 16 पॉवर स्प्रे, 10 डम्पर, 10 मिनी डम्पर, 28 ट्रेक्टर ट्राली, 10 रोड़ स्वीपिंग मशीन, 8 जेटिंग मशीन, 1 सुपर सकर मशीन, 2 डम्प टैंक, 3 टाटा 200 चैन माउंटेन मशीन, 2 टाटा 110 चैन काउंटेन मशीन, 1 टाटा 70 चैन माउंटेन मशीनी, 1 डोजर मशीन, 6 लिटर पिकर, 2 3 इन 1 जेटिंग रॉडिंग ग्रेबिंग मशीन, 25 मोबाइल टॉयलेट, 17 काम्पेक्टर, 4 व्हीकल माउंटेड फॉगिंग मशीन, 48 पोर्टेबल फॉगिंग, 1 वीड हार्बेस्टर/फ्लोटिंग ग्रेट स्क्रपर (तालाब सफाई हेतु) आदि वाहन एवं मशीनें हैं। जिससे लगातार शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ होती जा रही है।

24×7 सफाई और आधुनिक मशीनरी

हमने केवल सुबह की सफाई नहीं, बल्कि प्रमुख बाजारों में रात्रिकालीन व्यवस्था लागू की है ताकि सुबह जब जनता घर से निकले तो शहर चमचमाता मिले। तकनीक के मोर्चे पर, हमारी 14 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनें रोजाना 30 से 40 किमी सड़कों को साफ कर रही हैं। इसके साथ ही डोर-टू-



हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का पुनर्जीवन -

सुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि हमारा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट अब पूरी क्षमता के साथ प्रतिदिन 800 टन कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण कर रहा है। हमने इतिहास रचते हुए डंपसाइट पर जमा 3 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को पूरी तरह साफ कर दिया है। यह प्लांट न केवल कचरा साफ कर रहा है, बल्कि हर महीने 4 करोड़ रुपये मूल्य की बिजली पैदा कर रहा है, जो आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

डोर कचरा कलेक्शन को 100 प्रतिशत फुलप्रूफ बनाने के लिए 80 नए वाहन बेड़े में शामिल किए जा रहे हैं। कचरा गाड़ियों की मॉनिटरिंग सीधे हमारे स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से जीपीएस के जरिए हो रही है, जिससे लापरवाही की गुंजाइश खत्म हो गई है।

कचरा पृथक्कीकरण

जबलपुर देश का वो आदर्श मॉडल बन रहा है जहां कचरे को वेस्ट नहीं वेल्थ माना जा रहा है। हमारे वाहनों में 5 अलग-अलग कम्पार्टमेंट हरा, नीला, लाल, काला, पीला बनाए गए हैं ताकि घर से ही कचरा अलग होकर निकले। कबाड़ से कमाल शहर में 11 श्री आर (रिड्यूज, रीयूज, रिसायकल) सेंटरस चालू हैं। कचरे से कलाकृतियां बनाई जा रही हैं और सोवेज के साफ किए गए पानी को हम टैंकरों के जरिए पौधों और निर्माण कार्यों में री-यूज कर रहे हैं।

शहर का सौंदर्गीकरण-बैकलेन टू बेस्टलेन

अक्सर घरों के पीछे की गलियां उपेक्षित रहती थीं। हमने बैकलेन टू बेस्टलेन अभियान चलाकर शहर की 162 से अधिक गलियों की सूरत बदल दी है। आज ये गलियां कचराघर नहीं, बल्कि सुंदर पेंटिंग्स और हरियाली के

साथ सेल्फी पॉइंट बन चुकी हैं। इसके साथ ही शहर के पार्कों, प्रमुख चौराहों (जैसे आदि शंकराचार्य चैक, साईंस कॉलेज चौराहा) को फव्वारों और लाइटिंग से सजाया गया है।

मां नर्मदा के घाटों और जलाशयों का संरक्षण

नर्मदा जी हमारी जीवनदायिनी हैं। ग्वारीघाट और तिलवाराघाट पर विशेष धीम आधारित पेंटिंग, आधुनिक शौचालय, चेंजिंग रूम और लगातार सफाई की व्यवस्था की गई है। इस साल जबलपुर पहली बार रिवर टाउन एसेसमेंट में हिस्सा ले रहा है। तालाबों को साफ रखने के लिए विशेष लेक क्लीनिंग टीम तैनात है।

हमारा लक्ष्य स्वच्छता हमारी पहचान नम्बर 1 जबलपुर हमारा अभियान

महापौर ने स्वच्छता के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हम स्वच्छ सर्वेक्षण 32025-26 में शहर के सभी देवतुल्य गणमान्यजनों, जनप्रतिनिधियों, सफाई मित्रों प्रशासनिक और आप सभी सम्माननीय पत्रकार बंधुओं के सहयोग से जबलपुर को भारत का नम्बर 1 स्वच्छ शहर बनाने का लक्ष्य है।

25.89 लाख कि्वंटल गोहूं खरीदा गया

किसानों को अब तक 553 करोड़ रुपये का भुगतान

जबलपुर। जिले में इस वर्ष 34 हजार 660 किसानों से 25 लाख 89 हजार 031 कि्वंटल गोहूं का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया गया है और अब तक 553 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान भी किसानों के खाते में किया जा चुका है। किसानों को शेष लगभग 126 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान भी प्रक्रिया में है और जल्दी ही उनके खाते में यह राशि जमा कर दी जायेगी। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में इस वर्ष किसानों से गोहूं का उपार्जन 28 मई तक किया गया था। समर्थन मूल्य पर गोहूं का विक्रय करने इस वर्ष 36 हजार 948 किसानों द्वारा स्टॉट बुक कराये गये थे। किसानों से खरीदे गये कुल गोहूं की 99.6 फीसदी मात्रा का अब तक परिवहन किया जा चुका है तथा 94.1 फीसदी मात्रा स्वीकृत थी की जा चुकी है। इस वर्ष किसानों से 40 रुपये बोनस सहित 2625 प्रति कि्वंटल की दर से गोहूं का उपार्जन किया गया है। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा के अनुसार संख्य्या के लिहाज से जिले में पांच वर्षों के दौरान इस वर्ष सर्वाधिक किसानों से गोहूं का उपार्जन किया गया है। वहीं, मात्रा में देखा जाये तो तीन वर्षों में सबसे ज्यादा गोहूं की खरीदी इस वर्ष हुई है।



जिले में रबी विपणन वर्ष 2022-23 में 26 हजार 392, वर्ष 2023-24 में 28 हजार 073, वर्ष 2024-25 में 18 हजार 579 तथा वर्ष 2025-26 में 16 हजार 719 किसानों से समर्थन मूल्य पर गोहूं का उपार्जन किया गया था। जबकि इस वर्ष 34 हजार 660 किसानों से गोहूं की खरीदी की गई है। इसी प्रकार रबी विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से कुल 16 लाख 992 कि्वंटल एवं वर्ष 2025-26 में 14 लाख 416 कि्वंटल गोहूं का उपार्जन हुआ था। जबकि इस वर्ष 25 लाख 89 हजार 031 कि्वंटल गोहूं की खरीदी समर्थन मूल्य पर किसानों से की गई है।

विद्युत मीटर में छेड़छाड़ करने पर मामला दर्ज

जबलपुर। विजयनगर थानांतर्गत कचनार सिटी में एक महिला के परिसर में विद्युत विभाग के टीम द्वारा जांच में विद्युत मीटर में छेड़छाड़ व मीटर बदला हुआ पाया गया है। पूछताछ के दौरान मकान मालिक ने बताया कि एक व्यक्ति ने बिजली बिल कम आने की बात बोल कर मीटर निकाला है और छेड़छाड़ की थी। वह व्यक्ति मकान मालिक महिला से पांच हजार रुपये ले गया है। कनिष्ठ अभियंता कचनार शहर संभाग विजयनगर के प्रतिवेदन पर आरोपी धोखाधड़ी व शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाये जाने पर अपराधिक घडयंत्र रचने की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। विजयनगर पुलिस ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता कचनार संभाग शहर विजयनगर एम पी सी पी वी जबलपुर प्रिंवंचाये जाने पर अपराधिक घडयंत्र प्रतिवेदन पेश किया था। जिसमें कहा गया है कि विद्युत विभाग विजयनगर शहर संभाग की टीम ने कचनार सिटी निवासी श्रीमती गंगा कोष्टा के परिसर की जांच के दौरान मीटर के साथ छेड़छाड़ व बदला हुआ पाया गया। जब इस संबंध में टीम ने गंगा कोष्टा से पूछा तो उन्होंने बताया कि कोई दिलीप कोष्टा आया था जिसने अपने को बिजली कर्मचारी बताकर कहा कि वह विद्युत मीटर में ऐसी व्यवस्था बना देगा कि बिल कम आयेगा। ऐसा कहकर उसने मीटर निकाला और छेड़छाड़ कर दूसरे संभाग का मीटर बदल दिया। इसके लिए दिलीप पांच हजार रुपये लेकर गय था।

शासकीय स्कूल और सूने मकान में चोरी

नगदी सहित जेवर और रसोई का सामान ले गये चोर

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र में चोरी की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। एक मामले में चोरों ने शासकीय स्कूल के ताले तोड़कर लाखों रुपये का शैक्षणिक एवं रसोई का सामान पार कर दिया, जबकि दूसरे मामले में सूने मकान को निशाना बनाकर नकदी, जेवरात और घरेलू सामान चोरी कर लिया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मानगांव निवासी सहायक शिक्षक जालम सिंह ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई कि नई बस्ती बिलपुरा बगिया टोला स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अज्ञात चोर चैनल गेट, कमरों और नौ आलमारियों के ताले तोड़कर अंदर

घुस गए। चोर स्कूल से दो गैस चूल्हे, दो स्टील टैंकियां, एक सिनटेक्स टंकी, 200 स्टील की थालियां, नौ प्लास्टिक कुर्सियां, गणित किट, पुस्तकें सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। इसी तरह रांझी थाना अंतर्गत गंगा मैया क्षेत्र में रहने वाली ओमवती और उनकी बेटी लक्ष्मी यादव घर में ताला लगाकर रिश्ते दारी में गोसलपुर गई थी. इस बीच उनके सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर घर से 18 हजार रुपये नकद, सोने की झुमकी, चांदी की पायल, गैस सिलेंडर, तांबे के बर्तन तथा मिक्सी चोरी कर ले गये. ओमवती के पुत्र पठारिया मॉकेंट काफी हाउस निवासी कैलाश यादव की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। दोनों वारदातों के बाद रांझी पुलिस ने घटनास्थलों का निरीक्षण कर अज्ञात

संजीवनी नगर में नकबजनी के तीन आरोपी पकड़ये

जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस ने संजीवनी नगर व कटनी में सूने घरों में हुई नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने तीन आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर उनके कब्जे से चुराये गये सोने चांदी के जेवर जब्त किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में शामिल तीसरा आरोपी एक विधि विवादित बालक है। संजवनी नगर पुलिस ने बताया कि कल उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि धनवंतरी नगर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दोनों को घर दबोचा। पूछताछ के दौरान एक आरोपी ने अपना नाम शिवांशु जैन व दूसरे ने अभय सिंह बताया। आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने एक 17 वर्षीय विधि विवादित बालक के साथ मिलकर धनवंतरी नगर व कटनी में सूने घरों में चोरी की वारदातों को अंजमा देना बताया। आरोपियों ने चुराये गये जेवर व नगदी आपस में बांट लिए थे। शिवांशु ने अपने हिस्से के जेवरों से सोने के कंगन मुथुट फाइनैस में गिरवी रख एक लाख का गोल्ड लोन ले लिया था। आरोपी अभय सिंह ने भी अपने हिस्से के जेवरों को एक सुनार को देकर एक लाख ४५ हजार रुपये प्राप्त कर इन पैसों में से 60 हजार रुपये जमा कर ढाई लाख कि मोटरसाइकिल फाइनैस करा ली थी। आरोपियों ने विधि विवादित बालक को साढ़े तीन हजार रुपये का हिस्सा दिया था। पुलिस ने आरोपी अभय सिंह से चांदी की पायल, एक सिक्का एक सोने की चैन, चांदी की मूर्ति व फाइनैस कराई बाईक जब्त की है।

मदन महल स्टेशन के विकास को लगा ब्रेक

दूसरे एफओबी फुट ओवर ब्रिज के प्रस्ताव को सीआरएस ने रद्द किया

जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की महत्वाकांक्षी योजना को बड़ा झटका लगा है। स्टेशन के जबलपुर छोर की तरफ प्रस्तावित दूसरे फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण की योजना रेलवे सेप्टी कमिश्नर (सीआरएस) द्वारा निरस्त कर दी गई है। इसके साथ ही इस हिस्से में प्रस्तावित एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा का रास्ता भी फिलहाल बंद हो गया है। ऐसे में यात्रियों को स्टेशन के दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक मौजूदा व्यवस्था पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। रेलवे सुर्जों के अनुसार मदन महल स्टेशन के पुनर्विकास की योजना तैयार करते समय स्टेशन के दोनों छोर पर फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव बनाया गया था। योजना के तहत इटारसी एंड की ओर आधुनिक फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर और लिफ्ट का निर्माण किया गया, जिसका लाभ यात्रियों को मिल रहा है। लेकिन जबलपुर एंड पर इसी तरह की सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव अब ठंडे बस्ते में चला गया है।

चौड़ाई बनी सबसे बड़ी बाधा

जानकारी के मुताबिक स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-2 और

3 की सीमित चौड़ाई इस परियोजना के सामने सबसे बड़ी तकनीकी बाधा बन गई। प्रस्तावित फुट ओवर ब्रिज के साथ एस्केलेटर और लिफ्ट भी स्थापित किए जाने थे, लेकिन प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण सुरक्षा और संचालन संबंधी मानकों को पूरा करना संभव नहीं माना गया। सूत्र बताते हैं कि इसी तकनीकी कारण के चलते रेलवे सेप्टी कमिश्नर ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और अंततः इसे निरस्त कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान स्वरूप में प्लेटफॉर्म की चौड़ाई बढ़ाए बिना इस तरह की संरचना का निर्माण करना चुनौतीपूर्ण होगा।

यात्रियों को होगी असुविधा

मदन महल स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं। स्टेशन के जबलपुर छोर पर दूसरा फुट ओवर ब्रिज बनने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में सुविधा मिलने की उम्मीद थी। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों के लिए एस्केलेटर एवं लिफ्ट बड़ी राहत साबित होती। अब इस योजना के रद्द होने से यात्रियों को स्टेशन के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ सकता है। भविष्य में ट्रेनों की संख्या

और यात्री भार बढ़ने पर यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

अधूरा रह गया आधुनिकीकरण

रेलवे द्वारा मदन महल स्टेशन को जबलपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की योजना बनाई गई थी। दोनों छोर पर आधुनिक फुट ओवर ब्रिज और यात्री सुविधाओं की व्यवस्था इसी विजन का हिस्सा थी। लेकिन तकनीकी बाधाओं के कारण अब स्टेशन विकास की यह महत्वपूर्ण कड़ी अधूरी रह गई है। रेलवे विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भविष्य में प्लेटफॉर्म के विस्तार या पुनर्संरचना की कोई योजना बनती है, तभी इस परियोजना को दोबारा जीवित किया जा सकता है।

शुरू होगी पार्सल बुकिंग सुविधा

हालांकि यात्रियों को जहां एक ओर झटका लगा है, वहीं व्यापारियों और छोटे कारोबारियों के लिए अच्छी खबर है। मदन महल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-4 की ओर पार्सल बुकिंग कार्यालय तैयार किया जा रहा है। इसके शुरू होने के बाद यहां से पार्सल बुकिंग और डिलीवरी दोनों की सुविधा उपलब्ध होगी। रेलवे का मानना है कि मदन महल स्टेशन से प्रारंभ होने वाली ट्रेनों के जरिए माल के जेजे और प्राप्त करने में स्थानीय व्यापारियों को सुविधा मिलेगी।

पश्चिम मध्य रेलवे के 107 रेलकर्मि सेवानिवृत्त

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता एवं तीन अन्य कर्मचारी सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों के कुल 107 रेलकर्मि शुक्रवार 29 मई 2026 को सेवानिवृत्त हुए। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 29 मई 2026 को अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक राजेश दत्त बाजपेई, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) श्रीमती रश्मि बघेल एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (औ. सं.) अजय कुमार दीक्षित द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता एवं कर्मचारी में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सुरेश कुमार, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक त्रिभुवन सिंह एवं ऑफिस असिस्टेंट गीता देवी के आधिकारिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गईं।



सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (औ. सं.) संजय कुमार सहित परिचालन और कार्मिक विभाग के अन्य अधिकारी तथा मुख्य कल्याण निरीक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मांकम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशासनिक) शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुचारु रूप से किया गया।